संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 250
पृष्ठ 8
रविवार
01 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी और यमी...

विचार- अलग हुए ट्रंप और मस्क

खेल- सुदर्शन ने अपनी बल्लेबाजी का श्रेय...

आपरेशन सिंदूर आतंकियों के खिलाफ सबसे सफल अभियान, गोली का जवाब मिलेगा गोले से-प्रधानमंत्री

भोपाल,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवादियों के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा और सबसे सफल अभियान बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बार फिर बिना किसी का नाम लिए पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चुनौती देते हुए कहा कि अगर तुम गोली चलाओगे तो मान के चलो कि गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। श्री मोदी यहां देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्मजयंती के अवसर पर महिला सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान श्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण को राष्ट्रसुरक्षा से कई बार जोड़ा। उन्होंने कहा कि भारत संस्कृति और संस्कारों का देश है। सिंदूर नारी शक्ति का प्रतीक है। रामभक्ति में लगे हनुमान भी सिंदूर को ही धारण किए है। हम शक्ति पूजा में सिंदूर को अर्पण करते हैं। ये ही अब भारत के शौर्य का प्रतीक बन गया है।

इसी क्रम में उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने भारतीयों का खून ही नहीं बहाया, संस्कृति पर भी प्रहार किया। हमारे समाज को बांटने की कोशिश की, सबसे बड़ी बात, आतंकवादियों ने नारीशक्ति को चुनौती दी, लेकिन यही चुनौती आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवादियों के खिलाफ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे सफल ऑपरेशन है, जहां पाक सेना ने सोचा भी नहीं था, वहां तक आतंकी ठिकानों को हमारी सेना ने मिट्टी में मिला दिया। सैकड़ों किलोमीटर तक घुस कर उन्हें मिट्टी में मिलाया। ऑपरेशन सिंदूर ने डंके की चोट पर कहा है कि आतंकवादियों के जरिए प्रॉक्सी वॉर नहीं चलेगा। घर में घुस कर मारेंगे और आतंकियों के मददगारों को भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि भारत का एक–एक नागरिक और 140 करोड़ देशवासियों की बुलंद आवाज कह रही है कि अगर तुम गोली चलाओगे तो मान के चलो कि गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। श्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारी नारीशक्ति के सामर्थ्य का भी प्रतीक बना है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की इस पूरे अभियान में बड़ी भूमिका रही है। जम्मू से लेकर राजस्थान और गुजरात तक की सीमा पर बड़ी संख्या में बेटियों ने मोर्चा संभाला और सीमा पार गोलीबारी को मुंह तोड़ जवाब दिया। कमांड एंड कंट्रोल से लेकर दुश्मनों की चौकियां उड़ाने तक उन्होंने अद्भुत शौर्य दिखाया।

श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्र रक्षा में भारत की बेटियों का सामर्थ्य दिख रहा है। इसके लिए भी बीते दशक में सरकार ने अनेक कदम उठाए। स्कूल से लेकर युद्ध के मैदान तक, देश बेटियों के शौर्य पर अभूतपूर्व भरोसा कर रहा है। सेना ने पहली बार अब सैनिक स्कूलों के दरवाजे बेटियों के लिए खोले हैं। 2014 से पहले एनसीसी में सिर्फ 25 प्रतिशत कैडेट बेटियां होती थीं, जो आज 50 प्रतिशत हैं। उन्होंने कहा कि कल के दिन देश में एक और इतिहास बना है। नेशनल डिफेंस एकैडमी (एनडीए) में महिला कैडेट का पहला बैच पास आउट हुआ है। अब सेना, नौसेना और वायुसेना में बेटियां अग्रिम मोर्चे पर तैनात हो रही हैं। फाइटर प्लेन से लेकर आईएनएस विक्रांत तक महिलाएं जाबांजी दिखा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका ताजा उदाहरण हमारे सामने नाविका सागर परियोजना के रूप में है।

देश के अंतिम नागरिक तक न्याय पहुंचाना हमारा मौलिक कर्तव्य: सीजेआई

प्रयागराज, संवाददाता। भारत के मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई (जस्टिस बीआर गवई) ने शनिवार को उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के नवनिर्मित चौंबर्स व मल्टीलेवल पार्किंग बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि न्यायपालिका हो या कार्यपालिका, देश के अंतिम नागरिक तक न्याय पहुंचाना हमारा मौलिक कर्तव्य है। संविधान के 75 वर्षों के कालखंड में न्यायपालिका और कार्यपालिका ने ऐसे बहुत से कानून बनाए हैं, जिन्होंने भारत में सामाजिक और आर्थिक समानता लाने के लिए बड़ा योगदान दिया है। जमींदारों से जमीन लेकर लोगों को दी गई है। खेती करने वालों को जमीन का मालिक बनाया गया। ऐसे बहुत से कानून हैं, जिसके तहत देश के वर्किंग क्लास और लेबर क्लास को सशक्त किया गया। इस अवसर पर मुख्य न्यायधीश ने वकीलों के लिए इतनी बड़ी सुविधा के लिए फंड्स उपलब्ध कराने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर जिन्होंने भारत में एक सामाजिक न्याय की भावना से कार्य किया उनकी जयंती के अवसर पर आज इस भवन का उद्घाटन हो रहा है, यह हमारे लिए गौरव की बात है। मुख्य न्यायधीश ने कहा कि जब 25 नवंबर 1949 को बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारत के संविधान का अंतिम ड्राफ्ट कॉन्स्टिट्यूशनल असेंबली के सामने रखा था तब उन्होंने जो भाषण दिया वह हमारे देश को दिशा देने वाला था। उन्होंने उस समय एक वार्निंग दी थी कि जब तक हम सामाजिक और आर्थिक असमानता को दूर नहीं करेंगे तब तक इस देश में सही मायनों में जनतंत्र का निर्माण नहीं हो पाएगा। आज हम देखते हैं कि जो हमारे 75 साल की जर्नी रही उसमें हमारी कार्यपालिका और न्यायपालिका ने भारत में समानता के साथ सामाजिक और आर्थिक समानता लाने के लिए बड़ा योगदान दिया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि जैसा कि मुख्यमंत्री ने भी कहा कि हमारे संविधान ने 75 वर्ष के कालखंड में देश को प्रगति की ओर मजबूती से आगे बढ़ाया है।

हरदोई में कार खाई में पलटी,पांच मरे,छह गंभीर

हरदोई,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के मझिला क्षेत्र में शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में पिता पुत्र समेत पांच लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हादसा मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम भुप्पा पुरवा मोड़ के पास तड़के करीब तीन बजे हुआ जब आलमनगर मार्ग पर भुप्पा पुरवा मोड़ पर तेज रफ्तार आर्टिका कार अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। उन्होने बताया कि पाली थाना क्षेत्र के पटियानीम गांव निवासी नीरज की बारात कुसुमा गांव गई थी। विवाह समारोह के पश्चात बाराती घर वापस लौट रहे थे कि यह हादसा हो गया। हादसे में कार में जितेंद्र, आकाश, सिद्धार्थ,रामू, जौहरी और छह अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार के अंदर फंसे सभी घायलों को निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने जितेंद्र, उसके पुत्र सिद्धार्थ, रामू, आकाश और जौहरी को मृत घोषित कर दिया जबकि छह अन्य की हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

प्रसिद्ध वन्यजीव विशेषज्ञ वाल्मीक थापर का निधन

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रसिद्ध वन्यजीव विशेषज्ञ, लेखक एवं प्रकृति प्रेमी वाल्मीक थापर का शनिवार को तड़के निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे। श्री थापर के परिवार में पत्नी संजना कपूर और पुत्र हमीर थापर हैं। वह लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। बाघों के प्रति असीम प्रेम के कारण 'टाइगर मैन' के नाम से भी प्रसिद्ध श्री थापर का अंतिम संस्कार आज यहां लोधी रोड स्थित विद्युत शवदाह में किया गया।

महिला सशक्तिकरण की प्रतीक चार महिलाओं ने किया मोदी का स्वागत

भोपाल,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल का प्रवास पूरी तरह महिला सशक्तिकरण के नाम रहा, जिस दौरान न केवल प्रधानमंत्री ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी किया, बल्कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का स्वागत भी महिला सशक्तिकरण की प्रतीक चार महिलाओं ने किया। श्री मोदी यहां देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित महिला सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित करने आए थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा भी मौजूद थे। समारोह में प्रधानमंत्री श्री मोदी का महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की प्रतीक प्रदेश की चार महिलाओं ने स्वागत किया। इस क्रम में जबलपुर में कैंसर रोगियों की देखरेख को समर्पित सुश्री ज्ञानेश्वरी देवी, पहली भारतीय कैनोइस्ट और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त सुश्री प्राची यादव, ग्राम स्तर पर स्वच्छता और विकास कार्यों को समर्पित ग्राम तिरला – जिला धार की सरपंच श्रीमती आरती पटेल और महेश्वरी साड़ी निर्माण में लगी नागेश्वरी स्वयं सहायता समूह महेश्वर की सुश्री मीनाक्षी ठाकले ने स्वागत अभिवादन किया।

जब तक पाकिस्तान की गलत निगाहे रहेगी तब तक चलता रहेगा ऑपरेशन सिंदूर-नड्डा

जयपुर,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने राष्ट्र के शौर्य को धन्यवाद देते हुए कहा है ऑपरेशन सिंदूर अभी रुका नहीं हैं और जब तक पाकिस्तान की निगाहे गलत रहेगी उस पर प्रहार किया जाता रहेगा। श्री नड्डा ने शनिवार को यहां जयपुर पहुंचने पर हवाई अड्डे के बाहर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भाजपा के अन्य नेताओं द्वारा किए गए स्वागत के दौरान वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सर्जीकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक् और ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया है कि अगर कोई हमारी तरफ आंख उठा कर देखेगा तो उसका घर में घुसकर जवाब दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए। यह बताता है कि भारत की फौज की ताकत, उसका शौर्य एवं उसकी सोच तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की क्षमता। श्री मोदी ने स्पष्ट कहा था कि इस बार बड़ा होने वाला है और इतना बड़ा हुआ कि पाकिस्तान में स्थित आतंकवादियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया गया। श्री नड्डा ने कहा कि हम श्री मोदी के नेतृत्व में देश को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं और भारत नये आयामों के साथ खड़ा है। उन्होंने राष्ट्र के शौर्य को धन्यवाद दिया और कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी रुका नहीं हैं और यह चलता रहेगा जब तक पाकिस्तान की निगाहे गलत रहेगी तब तक उस पर प्रहार किया जाता रहेगा।

आठ माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

असम के कार्बी आंगलोंग जिले की एक अदालत ने मादक पदार्थों के तीन तस्करों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही जिला और सत्र न्यायालय के न्यायाधीश डी के डेका ने तीनों पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। वहीं, न्यायाधीश डेका ने जिले में ड्रग्स के बढ़ते इस्तेमाल में लेकर चिंता जताते हुए कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (केएएसी) को डिफू में नशा मुक्ति केंद्र खोलने का भी निर्देश दिया। तस्कर राजेश लखेंद्री, कुमार गजीमेर और तंगनबो मरियनमई को तीन साल पहले अगस्त 2022 में जिले के बोकाजन उपखंड के दिलाई से गिरफ्तार किया गया था। ये तीनों पड़ोसी नागालैंड से एक वाहन में आ रहे। इस दौरान इनके पास से 10 करोड़ रुपये की ड्रग्स भी जब्त की गई थी। इस जब्ती में 383 ग्राम हेरोइन, 2.28 किलोग्राम क्रिस्टल और एक किलोग्राम मॉर्फिन शामिल थी। तीनों पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

राहुल गांधी को पुणे की एक अदालत से लगा झटका

पुणे,एजेंसी। पुणे की एक अदालत ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस अर्जी को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने सत्यकी सावरकर की मां की पारिवारिक जानकारी (वंशावली) मांगी थी। मामले में राहुल गांधी ने यह दलील दी थी कि सत्यकी ने अपनी पिता की तरफ का पारिवारिक विवरण तो दिया है, लेकिन मां की तरफ का नहीं, जो इस मामले में जरूरी है। लेकिन मामले में सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यह मामला राहुल गांधी के लंदन में दिए गए भाषण से जुड़ा है, न कि किसी की पारिवारिक जानकारी से। इसलिए यह अर्जी खारिज की जाती है। बता दें कि सत्यकी सावरकर, हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर के पड़पोते हैं और उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया है। सत्यकी सावरकर की मां, हिमानी सावरकर, नाथूराम गोडसे के भाई गोपाल गोडसे की बेटी थीं। नाथूराम गोडसे वही हैं जिन्होंने महात्मा गांधी की हत्या की थी। सत्यकी सावरकर ने एक और अर्जी देकर राहुल गांधी की जमानत रद्द करने की मांग की थी। उनका कहना था कि राहुल बार–बार सुनवाई टाल रहे हैं और जानबूझकर मामले में देरी कर रहे हैं। लेकिन अदालत ने यह अर्जी भी खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि राहुल गांधी को पहले से ही व्यक्तिगत हाजिरी से छूट मिली हुई है और ऐसा कोई सबूत नहीं है कि वह मामले को लटकाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने मार्च 2023 में लंदन में एक भाषण के दौरान कथित तौर पर कहा था कि वीर सावरकर ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्होंने और उनके दोस्तों ने एक मुस्लिम व्यक्ति को पीटा था और उन्हें इससे खुशी हुई थी।जिसके बाद सत्यकी सावरकर ने इसे झूठा, अपमानजनक और बदनाम करने वाला बयान बताते हुए राहुल गांधी पर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है।

कर्नाटक में तंबाकू पर सख्ती

बंगलूरू,एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने तंबाकू उत्पादों को लेकर एक सख्त कानून को अधिसूचित कर दिया है। इस नए कानून के तहत अब तंबाकू खरीदने की न्यूनतम उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल कर दी गई है, साथ ही सार्वजनिक जगहों पर तंबाकू का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह अधिसूचना 30 मई को जारी की गई, जब राष्ट्रपति ने 23 मई को सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन पर प्रतिबंध और व्यापार, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) कर्नाटक संशोधन विधेयक, 2024 को अपनी मंजूरी दी। नए कानून के अनुसार, अब कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक जगह पर तंबाकू का इस्तेमाल नहीं कर सकता। हालांकि, कुछ विशेष जगह जैसे, 30 कमरे या उससे ज्यादा वाले होटल, 30 या उससे ज्यादा लोगों के बैठने की क्षमता वाले रेस्टोरेंट, हवाई अड्डों – इन जगहों पर विशेष स्मोकिंग जोन बनाए जा सकते हैं। नए कानून की धारा 4। के तहत अब राज्य में हुक्का बार खोलना या चलाना पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति अपने नाम पर या किसी और के नाम पर हुक्का बार नहीं खोल सकता, चाहे वो ईटिंग हाउस हो, पब हो, बार हो, रेस्टोरेंट हो या किसी भी नाम से चलने वाला कोई भी स्थान हो। नए कानून के मुताबिक अब कोई भी 21 साल से कम उम्र का व्यक्ति तंबाकू या सिगरेट नहीं बेच सकता। इसके साथ ही किसी शैक्षणिक संस्था (स्कूल–कॉलेज आदि) के 100 मीटर के अंदर तंबाकू बेचना प्रतिबंधित है। वहीं खुली या एक–एक सिगरेट भी नहीं बेची जा सकती। अब यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक जगह पर स्मोकिंग करता है या 21 साल से कम उम्र के व्यक्ति को तंबाकू बेचता है, तो उस पर पहले जहां ध्200 का जुर्माना लगता था, अब 1,000 तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

पीएम स्वनिधि योजना: पांच साल में गुजरात ने स्थापित किया कीर्तिमान, 4.79 लाख स्ट्रीट वेंडर बने आत्मनिर्भर

अहमदाबाद,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पीएम स्वनिधि योजना के पांच साल कल पूरे हो रहे हैं। यह योजना देशभर के स्ट्रीट वेंडर्स और छोटे व्यापारियों की आजीविका और उनके जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए वरदान साबित हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी की इस महत्वाकांक्षी योजना के सफल क्रियान्वयन में उनका गृह राज्य शीर्ष राज्यों में बना हुआ है। गुजरात में इस योजना को मिशन मोड में लागू किया गया है। इस योजना के तहत गुजरात में 4.79 लाख स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर बन चुके हैं। भारत सरकार के आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की प्रमुख पहल पीएम स्वनिधि योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 जून 2020 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य देशभर के स्ट्रीट वेंडर्स को सशक्त बनाना और उन्हें औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ना है। इसके अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में वेंडर्स को निर्बाध ऋण वितरण, डिजिटल पंजीकरण और निरंतर सहायता सुनिश्चित की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना पीएम स्वनिधि के सफल क्रियान्वयन में गुजरात ने निरंतर अपेक्षाओं से बेहतर प्रदर्शन किया है। राज्य ने जुलाई 2023 तक 3 लाख लाभार्थियों को लोन सुविधा उपलब्ध कराने का पहला लक्ष्य समय पर पूरा किया। इसके बाद अक्टूबर 2024 तक 4 लाख लाभार्थियों तक लोन पहुंचाने का दूसरा लक्ष्य भी पार कर लिया, जिसमें गुजरात को राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

राज्य के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए केंद्र सरकार ने नवंबर 2024 में गुजरात का लक्ष्य बढ़ाकर 5.20 लाख लाभार्थियों तक लोन सुविधा पहुंचाने का निर्णय लिया। गुजरात ने इस संशोधित लक्ष्य का भी 92.14: हिस्सा सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, और इस मामले में गुजरात राष्ट्रीय स्तर पर चौथे स्थान पर है। अब तक 4,79,141 स्ट्रीट वेंडर्स इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं। इन्हें कार्यशील पूंजी लोन और विभिन्न प्रकार के सहयोग प्रदान किए गए हैं, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ है और उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सक्षम और स्थिर बनने में सहायता मिली है।

भारत सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना के सफल क्रियान्वयन में गुजरात के प्रयासों को ध्30.47 करोड़ की ब्याज सब्सिडी देकर समर्थन दिया है। यह योजना पूरी तरह से 100: केंद्रीय वित्त पोषण के तहत संचालित हो रही है। इस वित्तीय मदद से वेंडर्स पर लोन चुकाने का दबाव कम हुआ है, जिससे योजना में ज्यादा लोग जुड़ सके हैं।

शहीद ठाकुर रोशन सिंह के स्मारक स्थल का हो रहा सौन्दर्यीकरण

प्रयागराज। एसआरन अस्पताल परिसर में स्थित अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह स्मारक का रूप दिया जा रहा है। जर्जर हो चुके स्मारक स्थल का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। ठाकुर रोशन सिंह की प्रतिमा का नया रंग रोगन किया है। छतरी को नया रूप दिया गया है। प्रतिमा के फाउंडेशन को टाइल्स लगाकर आकर्षक बनाया गया है। परिसर की साफ–सफाई करके वहां गमले लगाए जा रहे हैं। अभी तक स्मारक स्थल काफी उपेक्षित था। मरीज–तीमारदार प्रतिमा स्थल के पास बैठकर भोजन बनाने खाते थे और गंदगी छोड़कर चले जाते थे। लेकिन अस्पताल प्रशासन की ओर स्मारक स्थल का भव्य बनाया जा रहा है।

एसआरएन में डॉक्टरों, कर्मचारियों के लिए नई पार्किंग शुरू

प्रयागराज। हाईकोर्ट की ओर से 22 मई को मंडल के सबसे बड़े अस्पताल की बताई गयीं खामियों को सुधारने की दिशा में सार्थक प्रयास शुरू हो गए हैं। इसके तहत कई ऐसे कार्य जो कई वर्षों से कागजों पर हो रहे थे वह भौतिक रूप में होते दिख रहे हैं। सोमवार से बुधवार तक अस्पताल में 10 ऐसे कार्य शुरू हुए हैं, जिससे मरीजों और तीमारदारों को सहूलियत होने लगी हैं। हालांकि हाईकोर्ट के एमिकस क्यूरी की रिपोर्ट में अस्पताल की दुर्दशा को लेकर 16 खामियां का उल्लेख किया गया था। इस क्रम में मंगलवार को अस्पताल की सबसे बड़ी समस्या अवैध पार्किंग को लेकर नई व्यवस्था शुरू गयी। इसके तहत अस्पताल के सभी डॉक्टरों व कर्मचारियों के लिए पुराने पोस्टमार्टम हाउस के पास नई पार्किंग शुरू की गयी। इस पार्किंग में 500 से अधिक दो पहिया वाहन व 50 से अधिक कार पार्किंग की जा सकती है।

तंबाकू, पान मसाला खाने वाले हर दूसरे मुंह का कैंसर

प्रयागराज। तंबाकू का सेवन निश्चित रूप से जानलेवा है। बाजार में बिक रहे तंबाकू, गुटखा व पान–मसाला पर बकायदा भयावह फोटो के साथ स्पष्ट लिखा रहता है कि तंबाकू से कैंसर हो सकता है। लेकिन चेतावनी की चिंता किए बिना आंख बंदकर लोग तंबाकू व पान मसाला का सेवन करते हैं। डॉ. पॉल के अनुसार यदि शुरुआती दौर में ही मुंह के कैंसर का इलाज शुरू हो जाए तो ठीक होने की संभावना 90 फीसदी रहती है। लेकिन जांच में कैंसर की पुष्टि होने के बावजूद 100 में 35 मरीज डर व झोलाछाप डॉक्टरों के चक्कर में फंसकर इलाज नहीं कराते। वे इलाज कराने तब आते हैं जब ठीक होने की संभावना कम हो जाती है। पॉल ने बताया कि कोरोना काल के बाद जागरूकता अभियान में कमी आई है। पहले रैलियां निकालकर लोगों को तंबाकू का सेवन न करने के लिए खा जाता था।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

प्रयागराज। धूमनगंज पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित टिंकू भारतीय उर्फ अंकित भारतीय निवासी पटपर धूमनगंज है। धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान आरोपित को नंदी चौराहा सीआईएसएफ हेडक्वार्टर के पास वाली गली के पास से पकड़ा गया। उसके पास से चोरी की बाइक बरामद की गयी है।

छह जेलों में होगी मुविवि की परीक्षा

प्रयागराज। मुक्त विवि परीक्षा इस बार पूरे प्रदेश में 6 जिला एवं केंद्रीय कारागारों नैनी, प्रयागराज, गौतमबुद्ध नगर, गोरखपुर, अयोध्या, बरेली और फतेहगढ़, फर्रुखाबाद केंद्रीय कारागार में जेल बंदियों को परीक्षा दिलाई जाएगी। संपूर्ण उत्तर प्रदेश में परीक्षा को पारदर्शिता पूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जिसके अंतर्गत परीक्षा कक्ष के अंदर केंद्र प्रभारी के अतिरिक्त अन्य सभी का मोबाइल प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार सहित प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने का आदेश जारी किया गया है। पूरे प्रदेश में नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षक दल का गठन किया गया है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर परीक्षा केन्द्रों के समीप पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती का आग्रह किया है।

प्रयागराज में सर्वाधिक 27 केंद्रों पर होगी परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि परीक्षा केंद्र निर्धारण समिति ने राज्य सरकार से निर्गत दिशा निर्देशों एवं विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित मानकों के अनुपालन में प्राप्त आवेदन पत्र पर सम्यक विचारोपरांत संपूर्ण उत्तर प्रदेश में 169 परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण किया है। जिनमें सबसे अधिक 27 परीक्षा केंद्र प्रयागराज क्षेत्र में बनाए गए हैं । इसके अतिरिक्त गोरखपुर रीजन में 26, वाराणसी रीजन में 25, अयोध्या रीजन में 20, लखनऊ रीजन में 16, आजमगढ़ रीजन में 13, कानपुर रीजन में 11, आगरा रीजन में 10, झांसी रीजन में 8, मेरठ रीजन में 6, गाजियाबाद रीजन में 4 तथा बरेली रीजन में 3 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

आखिर बार-बार कौन कर रहा साजिश जो नहीं हो पा रहा ट्रैप

प्रयागराज। बार–बार रेलवे ट्रैक पर आपत्तिजनक चीजें मिलने से खुफिया एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं। दिल्ली हावड़ा रूट पर अभी तक कोई आपत्तिजनक वस्तु न मिलने से आरपीएफ की रिपोर्ट में इसे आपराधिक मामला नहीं माना गया है लेकिन शरारत करने वाले अज्ञात युवकों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। हालांकि, कुछ लोग इस घटना को ट्रेन पलटाने की साजिश भी बता रहे हैं। दरअसल एक साल से लगातार रेलवे ट्रैक पर इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं जिससे खुफिया एजेंसियां किसी साजिश से इनकार नहीं कर रही है। इस तरह की साजिश या शरारत करने वाले इतने शातिर हैं कि अभी तक प्रयागराज में ट्रैप नहीं हो सके हैं। इस घटना से पहले बीते पांच अप्रैल को फाफामऊ–अटरामपुर रेलखंड में गद्दोपुर ज्ञानकुंज कॉलोनी के सामने रेलवे ट्रैक पर किसी ने सोलर लाइट का खंभा रख दिया था। भोर लगभग चार बजे ऊंचाहार की ओर से मालगाड़ी जा रही थी। लोको पायलट संजय शर्मा की नजर रेलवे लाइन पर रखे लोहे के खंभे पर पड़ी तो उनके होश उड़ गए। उस वक्त भी लोको पायलट ने तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर मालगाड़ी रोकी। आरपीएफ ने अज्ञात में केस दर्ज किया लेकिन पता नहीं चला कि किसी ने शरारत की थी। जीआरपी और आरपीएफ रेलवे ट्रैक की सुरक्षा के लिए रेलवे ट्रैक के किनारे रहने वाले ग्रामीणों की मदद से जागरूकता अभियान चला रही है ताकि संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की जानकारी मिल सके।

उमस भरी गर्मी में पानी के लिए कतार

प्रयागराज। अल्लापुर के कई इलाकों में भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट से लोग जूझ रहे हैं। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत तीन दिनों से टैंकर से पानी की आपूर्ति की जा रही है, लेकिन यह अपर्याप्त साबित हो रहा है। लोग पानी के लिए बाल्टी लेकर टैंकर का इंतजार करते रहते हैं। टैंकर आने पर पहले पानी लेने के लिए मारामारी शुरू हो जाती है। समस्या का कारण यहां लगे तीन नलकूपों में से दो खराब है। शिवनगर, संजय नगर, बीएचएस डंडिया, रामानंद नगर, शिवपुरी मार्ग, न्यू सोहबतियाबाग आदि इलाकों में जलापूर्ति नहीं होने से लोग परेशान हैं।

लोगों ने गर्मी में पानी न मिलने पर रोष जताते हुए विभाग के अफसरों को समस्या के लिए जिम्मेदार ठहराया। लोगों का कहना था कि एक नलकूप बीते दो माह से अधिक समय से खराब है, जिसे ठीक नहीं किया गया। तीन दिन पहले एक और नलकूप के बिगड़ जाने से समस्या गहरा गई है। पेयजल समस्या का स्थाई निदान होना चाहिए। अल्लापुर के शिवनगर पार्क में लगे नलकूप के दम तोड़ देने से बीते तीन दिनों से करीब पांच हजार की आबादी पेयजल संकट से जूझ रही है। अकेले शिवनगर में करीब एक हजार से अधिक लोग पानी के लिए परेशान हैं। नलों से पानी न आने पर टैंकरों के जरिए आपूर्ति की जा रही है, लेकिन इतनी बड़ी आबादी के लिए यह वैकल्पिक व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। परेशान लोग अब समस्या का स्थाई निदान चाह रहे हैं। संजय नगर में भी पानी के लिए लोग परेशान हैं। टैंकर आने पर पानी के लिए लंबी कतार लग जा रही है। समस्या के लिए शिवनगर पार्क में लगे नलकूप के खराब हो जाने को कारण माना जा रहा है। शिवनगर पार्क में बनी पानी की टंकी से एक बड़े इलाके में जलापूर्ति होती है। टंकी की क्षमता 22 सौ किलो लीटर की है। टंकी को भरने के लिए चार नलकूपों की जरूरत होती है। लंबे समय से शिवनगर पार्क में लगे दो नलकूप और तुलसी पार्क के नलकूप के जरिए टंकी भरी जाती रही। करीब दो माह पूर्व तुलसी पार्क में लगा नलकूप खराब हो गया, जिसके बाद शिवनगर के दो लनकूपों से

टंकी किसी प्रकार भरी जाने तो लगी, लेकिन पानी को प्रेशर काफी कम हो गया। प्रेशर कम होने पर जलापूर्ति का समय बढ़ा दिया गया, लेकिन पानी की किल्लत बनी रही। तीन दिन पूर्व शिवनगर में लगे दो नलकूपों में से एक नलकूप की मोटर जल गई। उसे ठीक कराकर चलाया गया तो बोर की जाली फट गई। शिकायत पर विभागीय इंजीनियर आए और नलकूप का निरीक्षण कर बताया कि नलकूप अब चलने योग्य नहीं है। ओवरहेड टंकी को भरने के लिए जहां चार नलकूपों की जरूरत होती है, वहां मात्र एक नलकूप ही बचा हुआ है। इससे टंकी भर नहीं पा रही है। करीब पांच हजार की आबादी के लिए पेयजल संकट गहरा गया है। अदूरदर्शिता के कारण बढ़ गई समस्या जिन तीन नलकूपों से ओवरहेड टंकी भरी जा रही थी उनमें दो के रीबोर की जरूरत के बावजूद लापरवाही की गई। लोग नलकूप के रीबोर की लगातार मांग कर रहे थे। अगर लोगों की शिकायतों पर ध्यान दिया गया होता तो अचानक समस्या न पैदा होती। विभागीय जिम्मेदारों की अदूरदर्शिता के कारण लोग बाल्टी लेकर सुबह से पानी के लिए घूम रहे हैं। शिकायतें – तीन नलकूपों में दो खराब पड़ा है, इससे पेयजल संकट गहराया। – पानी की टंकी नहीं भर पा रही है। नलकूप को रीबोर कराना होगा। – जब पानी आता है तो प्रेशर काफी कम रहता है जिससे परेशानी होती है। – दूसरे और तीसरे तल पर रहने वाले लोगों को पानी नहीं मिल पाता। सुझाव – बिगड़े नलकूपों को दुरुस्त करा कर उनकी नियमित देखरेख की जाए। – दम तोड़ चुके नलकूपों को रीबोर करा कर चारों नलकूपों से टंकी भरी जाए। – टंकी फुल भरने से जलापूर्ति सामान्य हो पाएगी, सभी को पानी मिल पाएगा। – दूसरे–तीसरे तल पर रहने वाले लोगों को पानी मिले इसके लिए प्रेशर बढ़ाना होगा। हमारी भी सुनें कम प्रेशर की समस्या से परेशान हैं। बीते तीन दिनों से तो पानी आ ही नहीं रहा है। बताया गया कि नलकूप खराब हो गया है। अगर नलकूप खराब हो गया है तो बनाना किसकी जिम्मेदारी है। अधिकारी क्या कर रहे हैं। –अजय प्रताप गर्मी में लोग पानी के लिए परेशान हैं। शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। पानी का टैंकर न आए तो पानी भी न मिल पाए। नलकूप की बोरिंग हो जाए तो समस्या का समाधान हो जाए। – सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव पानी न आने से सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को है। पानी के अभाव में घर के काम नहीं हो पाते। पानी की समस्या का स्थाई निदान हो जाए तो लोगों को राहत मिले। –स्वारिका भारद्वाज नल से पिछले तीन दिन से पानी नहीं आ रहा है। जब आता है तो प्रेशर इतना कम रहता है कि जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल पाता। पानी की समस्या का स्थाई निदान जरूरी है। –नेहा मिश्रा नलकूप के रीबोरिंग के लिए लंबे समय से मांग की जाती रही है, लेकिन जिम्मेदार नहीं सुने। इससे समस्या का समाधान नहीं हो सका। नलकूप की बोरिंग करा कर समस्या का स्थाई निदान किया जाए। – अमर सिंह स्मार्ट सिटी में रह रहे हैं और एक बाल्टी पानी के लिए परेशान हैं तो व्यवस्था पर सवाल उठेगा ही। लोग पानी की समस्या के स्थाई निदान की मांग कर रहे हैं। जिम्मेदार सुन नहीं रहे हैं। – प्रदीप सिंह सेंगर भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए परेशान हैं। जिम्मेदार गंभीर हो चुकी समस्या के प्रति अनजान बने हुए हैं। सुबह से लोगों को बस यही चिंता रहती है कि पानी कैसे मिलेगा। पेयजल संकट का समाधान जरूरी है। –रमाशंकर मिश्र नलकूप की बोरिंग करा कर पानी की समस्या का समाधान किया जा सकता है। इसके लिए कई बार लोगों ने विभागीय जिम्मेदारों को कहा, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। विकास सिंह चार नलकूप की जगह तीन नलकूप से टंकी भरी जा रही थी। दो माह पूर्व एक नलकूप बिगड़ गया, अब तीन दिन पहले एक और नलकूप खराब हो गया है। इससे पेयजल संकट गहरा गया। –पवन पानी की समस्या के स्थाई निदान के लिए नलकूप की बोरिंग कराना जरूरी है। नलकूप की बोरिंग क्यों नहीं की जा रही है इसे जिम्मेदार ही बता सकते हैं। किसी प्रकार समस्या का समाधान किया जाए। –लाल चन्द्र यादव यहां लगी पानी की टंकी की क्षमता इतनी है कि कई मोहल्लों में इससे जलापूर्ति की जाती रही है, लेकिन लोगों को पानी तब मिलेगा जब टंकी भरे। नलकूप खराब होने से संकट हो गया। डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी गर्मी में पानी न मिले तो क्या हालत होगी इसे हम लोग ही समझ सकते हैं। समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। वैकल्पिक व्यवस्था से कितने दिन काम चलाएंगे। समस्या का स्थाई हल जरूरी है। – शैलेन्द्र कुमार राय समस्या का स्थाई समाधान हो, इसके लिए यहां लगे तीनों नलकूप सही किए जाएं। एक नलकूप बनता है तो दूसरा बिगड़ जाता है। अर्से से यही चल रहा है। – संजय कुमार तीन दिन से पानी की समस्या से परेशान हैं। टैंकर आता है तो पानी मिल पाता है। पानी की समस्या तो कई माह से चली आ रही है। जब पानी आता था तो लोग प्रेशर कम होने की समस्या से परेशान थे। अब पानी आ ही नहीं रहा है। – जगदीश प्रसाद शर्मा बोले पार्षद नए नलकूप के लिए जगह चिह्नित कर लिया गया है। नगर निगम से एनओसी भी प्राप्त हो चुका है, लेकिन जलकल विभाग बोरिंग नहीं करा रहा है, जिससे समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है। बोरिंग करा कर तीन या चार नलकूपों से टंकी लोड की जाए तो समस्या का स्थाई समाधान हो जाए। –शिवसेवक सिंह, पार्षद, भरतद्वाजपुरम बोले जिम्मेदार एक नलकूप चालू कराया गया है। अल्लापुर के किदवई नगर के नलकूप की हाल में बोरिंग कराई गई थी। उससे जोड़कर समस्या के समाधान का प्रयास किया जा रहा है। जब तक नलकूप नहीं बन जाते वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जलापूर्ति की जा रही है। – कुमार गौरव, महाप्रबंधक, जलकल

एफसीआई गोदाम-डांडी मार्ग की शुरू हुई मरम्मत

प्रयागराज। नैनी के विद्यानगर कॉलोनी में बदहाल एफसीआई गोदाम–डांडी मार्ग की मरम्मत शुरू हो गई। लोक निर्माण विभाग 500 मीटर बदहाल मार्ग की मरम्मत कर रहा है। भारी वाहनों के आवागमन से टूटी सड़क की मरम्मत शुरू होने से कॉलोनी के लोगों ने राहत की सांस ली है। अखबार ने विद्यानगर कॉलोनी की बदहाल सड़क की समस्या को उठाया था।

महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने नगर निगम के इंजीनियर को भेजकर मार्ग की जांच कराई थी।

महापौर को जब बताया गया कि बदहाल सड़क लोग निर्माण विभाग की है तो उन्होंने संबंधित विभाग को इसकी मरम्मत करने का निर्देश दिया। इसके बाद लोक निर्माण विभाग ने सड़क की मरम्मत शुरू की। महाकुम्भ के पहले बनाई गई सड़क भारी वाहनों के आवागमन से 500 मीटर तक क्षतिग्रस्त हुई थी। मार्ग का 50 मीटर हिस्सा ताल में तब्दील हो गया था। लोग मार्ग के 50 मीटर हिस्से से आवामन करने से डरने लगे। दो हजार घरों की कॉलोनी के प्रमुख मार्ग की बदहाली गंभीर समस्या बन गई। मार्ग के 50 मीटर के हिस्सें में कई ई–रिक्शा और टू ह्वीलर चालकों के गिरने के बाद तमाम लोगों ने इस पर आवागमन ही बंद कर दिया।

लोक निर्माण विभाग मार्ग का 500 मीटर हिस्सा मरम्मत कर रहा है। मार्ग की मरम्मत देख कॉलोनी के लोग खुश हैं। शुक्रिया हिन्दुस्तान महाकुम्भ में भारी वाहनों के आवागमन से सड़क धंसी थी। सड़क ताल में तब्दील हो गई थी। लेकिन हिन्दुस्तान ने मामले को उठाया तो सड़क बनने लगी। इसके लिए हिन्दुस्तान समाचार का बहुत–बहुत आभार। अब कॉलोनी के महात्वपूर्ण मार्ग से आवाजाही सामान्य हो जाएगी। अतुल विजय द्विवेदी सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे और इसमें पानी भरा होने से पैदल चलना मुश्किल हो गया था। सोचा नहीं था कि इतनी जल्दी सड़क की मरम्मत होगी। लेकिन अखबार का बहुत–बहुत धन्यवाद कि इस समस्या की खबर प्रकाशित किया। जिससे काम शुरू हो गया। सड़क पर काम होता देख खुशी हो रही है।

इविवि एवं कॉलेजों में पीएचडी की सीटें होंगी कम

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) और कॉलेजों में पीएचडी की सीटें कम हो जाएंगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के अनुसार पीएचडी की सीटों की संख्या कम की जाएगी। इससे शोध करने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या पर असर पड़ेगा। यूजीसी रेगुलेशन–2022 के तहत असिस्टेंट प्रोफेसर अधिकतम चार, एसोसिएट प्रोफेसर छह और प्रोफेसर आठ विद्यार्थियों को शोध करा सकेंगे। इससे पहले इविवि एवं संबद्ध कॉलेजों में असि. प्रो., एसो. प्रो. और प्रो. क्रमशरू पांच, आठ और सर्वाधिक दस विद्यार्थियों को पीएचडी कराने का प्रावधान था। प्रवेश प्रक्रिया में बदलाव के चलते पीएचडी की सीटें घटना लाजिमी है। 2024 में छह वर्षों की तुलना में सर्वाधिक 1182 सीटों पर प्रवेश हुआ था। इसमें इविवि कैंपस में 764 और कॉलेजों में 418 सीटों के सापेक्ष आवेदन लिए गए थे। प्रवेश प्रकोष्ठ की ओर से पीएचडी में दाखिले के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। इविवि के विभागों एवं कॉलेजों से पीएचडी के रिक्त सीटों का ब्योरा मांगा गया है। इविवि एवं कॉलेजों में पीएचडी दाखिले के लिए संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा (क्रेट) का आयोजन नहीं किया जाएगा। सीधे इंटरव्यू के माध्यम से नेट–जेएआफ अभ्यर्थियों को ही दाखिले दिए जाएंगे। सीटें खाली रहने की स्थिति में अथवा जिन विषयों में नेट की सुविधा नहीं होगी उन्हीं की लिखित परीक्षा होगी। अब तक पीएचडी में प्रवेश के लिए क्रेट के रूप में लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाता रहा था। मेरिट के आधार पर अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता था।

कोरांव में सबसे ज्यादा तो चाका में सबसे कम गरीबों को छत की दरकार

प्रयागराज। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवास प्लस के आवेदन मांगने का काम पूरा हो गया। कुल एक लाख 63 हजार 822 लोगों को घर की जरूरत है। जिसमें 71005 लोगों ने स्वमूल्यांकन कर घर की मांग की है। जबकि विभाग के सर्वे में 92817 पात्र पाए गए हैं। 71005 लोगों का विभाग की ओर से सत्यापन किया जा रहा है। ग्राम्य अधिकरण विभाग की ओर से ब्लॉकवार मूल्यांकन किया। सबसे ज्यादा 19588 लोगों कोरांव में आवास की मांग की है, जबकि सबसे कम चाका में 2049 लोगों ने आवास की मांग की है। जिले में आवास प्लस का सर्वे अप्रैल से शुरू हुआ। प्रदेश सरकार के निर्देश पर मई तक यह सर्वे चला। इस सर्वे का उद्देश्य था ऐसे छूटे हुए लोग, जिन्हें अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें योजना से आच्छादित किया जाए। यही कारण है कि शासन ने दोहरे सर्वे का निर्देश दिया था। आम लोगों को पॉलिसी बता दी गई और उनसे स्वमूल्यांकन रिपोर्ट मांगी गई। जबकि विभागीय सर्वे अपनी स्तर पर चलाया गया। जिसके बाद सभी 23 ब्लॉक में पात्रों की सूची शुक्रवार को जारी कर दी गई है। ब्लॉक स्वमूल्यांकन विभागीय सर्वे कुल बहादुरपुर 4028 2375 6403 बहरिया 2123 1547 3670 भगवतपुर 103 2117 2220 चाका 216 1833 2049 धनूपुर 3917 4014 7931 हंडिया 3707 4904 8611 होलागढ़ 4314 2391 6705 जसरा 2494 3218 5712 करछना 3113 7737 10850 कौंधियारा 5163 2924 8087 कौड़िहार 1969 588 2527 कोरांव 6798 12790 19588 मांडा 1598 9145 10743 मऊआइमा 3082 1922 5004 मेजा 4036 7133 11169 फूलपुर 1183 1763 2946 प्रतापपुर 2029 4608 6637 सहसों 1911 667 2578 सैदाबाद 2949 3081 6030 शंकरगढ़ 1588 8742 10330 सोरांव 3867 834 4701 शृंग्वेरपुर धाम 2277 1069 3346 ऊरवा 8540 7445 15985 वर्जन आवास प्लस योजना के लिए सत्यापन कराया जा रहा है। कोरांव में सबसे अधिक आवास की मांग है। जबकि चाका में सबसे कम। स्वमूल्यांकन और विभागीय सर्वे की रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है। जिसके बाद निर्देश के क्रम में काम होगा। – भूपेंद्र कुमार सिंह, पीडी डीआरडीए

मगध एक्सप्रेस में एसी फेल, यात्री बेहाल

प्रयागराज। गर्मी के मौसम में ट्रेन यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। गुरुवार रात नई दिल्ली जा रही मगध एक्सप्रेस के प्रयागराज पहुंचते ही एसी फेल हो गया। लो वोल्टेज के कारण सात घंटे तक यात्री गर्मी में उबलते रहे। कोच बी–वन में यात्रा कर रहे ओम प्रकाश ने बताया कि कई बार शिकायत के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ। आखिर में परेशान होकर यात्रियों ने एक्स पर रेलवे अफसरों को शिकायत की। इधर, शुक्रवार को डॉ. आंबेडकरनगर एक्सप्रेस के आरक्षित कोच में बाहरी यात्रियों के कब्जे से हंगामा हो गया। एस–5 कोच में यात्रा कर रहे एके यादव ने बताया कि अवैध यात्रियों ने सीटों, गेट और शौचालय तक पर कब्जा जमा लिया था। उन्होंने एक्स पर प्रयागराज के डीआरएम को मैसेज करके शिकायत दर्ज कराई।

पीएम आवास योजना में दो दिन बाद जलापूर्ति शुरू

प्रयागराज। कालिंदीपुरम स्थित प्रधानमंत्री आवाल योजना में दो दिन बाद जलापूर्ति बहाल हो गई। जलकल की टीम ने शुक्रवार रात 11 बजे नलकूप में मोटर की मरम्मत कर सप्लाई चालू कर दी। आवास योजना के नलकूप से बुधवार सुबह से जलापूर्ति ठप हो गई थी। नलकूप की मरम्मत प्रयागराज विकास प्राधिकरण को करना था। पीडीए ने नलकूप की मरम्मत नहीं की तो क्षेत्र के पार्षद मिथिलेश सिंह ने जलकल विभाग से मदद की गुहार लगाई। जलकल ने नलकूप की मरम्मत के लिए टीम के साथ चार टैंकर भी भेजा, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। पार्षद ने बताया कि नलकूप चालू होने के बाद अब आवास योजना के 312 परिवारों को पानी मिलने लगा है।

अब 200 वर्ग फिट जमीन में करिए मशरूम की खेती

प्रयागराज। मशरूम की खेती करने वाले किसानों के लिए खुशखबरी है। करीब 200 वर्ग फिट जमीन पर ही खेती की जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में इसकी मांग को देखते हुए प्रदेश सरकार ने नियम में बदलाव किया है। शहरी क्षेत्र में लोगों के पास जमीन

बहुत कम होती है। इसलिए अब इसकी खेती 200 वर्ग फिट जमीन पर की जा सकती है। जिसकी लागत लगभग दो लाख रुपये होगी और इस पर एक लाख रुपये यानी 50 फीसदी अनुदान भी मिलेगा। जिला उद्यान अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि एक व्यक्ति पांच यूनिट तक लगा सकता है।

प्रयागराज एसजीएसटी ने मई में बनाया रिकॉर्ड, 94 प्रतिशत ग्रोथ

प्रयागराज। राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) प्रयागराज ने मई माह में राजस्व वसूली का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। इस बार विभाग को 356.53 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो पिछले वर्ष मई 2024 की तुलना में 94 प्रतिशत अधिक है। बीते वर्ष इसी माह में विभाग को 181.28 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था, जबकि इससे पहले के वर्षों में यह आंकड़ा 80 से 160 करोड़ रुपये के बीच रहा करता था। मई की शुरुआत में ही विभागीय अधिकारियों ने अनुमान लगाया था कि इस बार वसूली 200 से 250 करोड़ रुपये तक हो सकती है, लेकिन अनुमान से भी कहीं अधिक वसूली हुई। यह आंकड़ा तब है जब मई माह समाप्त होने में एक दिन अभी शेष है। राजस्व में सबसे अधिक योगदान सीमेंट सेक्टर का रहा, जिससे 39.64 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। वहीं, ऑटो सेक्टर से भी करीब 29 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार एडीशनल कमिश्नर ग्रेड–1 मुक्तिनाथ वर्मा की ओर से व्यापारियों के साथ की गई सेक्टरवार बैठकें और समय से कर जमा करने के लिए चलाई गई मुहिम इस वृद्धि का प्रमुख कारण रही। इससे पूर्व अप्रैल 2025 में भी एसजीएसटी ने अत्याधिक कमाई थी। बताया गया था कि महाकुम्भ के कारण सबसे ज्यादा कमाई हुई थी।

अति पिछड़ा नेताओं को पुलिस ने अपमानित किया तो हमारे भी हाथ बंधे नहीं है: मोहन प्रजापति

मुजफ्फरनगर। भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने सभासद अमित पाल के साथ सिविल लाइन थाना पुलिस द्वारा की गईं बदसलूखी पर कहा हे कि इस समय पुलिस द्वारा अति पिछड़ा वर्ग व दलित वर्ग के

नेताओं को बेइज्जत किया जा रहा हे उन्होंने कहा हे कि कुछ दिन पहले शहर कोतवाली पुलिस ने दलित वर्ग के एक भाजपा नेता के साथ अभद्रता की थी वहीं अब भाजपा के सभासद अमित पाल के साथ सिविल लाइन पुलिस ने मारपीट की हे उन्होंने कहा हे कि क्या कोई पुलिस के लिए ऊपर से आदेश हे कि अति पिछड़ा वर्ग व दलित वर्ग के नेताओं के साथ अभद्रता वे बदसलूकी की जाए जिससे समाज में बढ़ रहे युवाओं वे नेताओं का मनोबल तोड़ा जा सके उन्होंने कहा हे जिले के एसएसपी व एसपी सिटी अच्छी पुलिसिंग ईमानदारी के साथ कर रहे हे लेकिन कुछ पुलिसकर्मी जिले की पुलिस की छवि को खराब करने में लगे हे वहीं इस समय जिले के कुछ पुलिसकर्मी बेलगाम हो चुके हे जो अति पिछड़ा वर्ग व दलित वर्ग के नेताओं को टारगेट कर निशाना बनाकर अति पिछड़ा वर्ग व दलित वर्ग के नेताओं को अपमानित करने में लगे हे उन्होंने चेतावनी दी हे कि ऐसे पुलिसकर्मी जो अति पिछड़ा वर्ग व दलित वर्ग के नेताओं को अपमानित करने का काम कर रहे हे वह सुधर जाए नहीं तो हमारा संगठन ऐसे पुलिस कर्मियों को सुधारना जानता हे हमारे भी हाथ बंधे नहीं हे अगर कानून के रखवाले कानून हाथ में लेंगे तो फिर मजबूरन हमें भी वही रास्ता अपनाना पड़ेगा।

पत्रकारिता दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

मुजफ्फरनगर। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के द्वारा शुक्रवार को जानसठ रोड स्थित एक बैंकट हॉल में राष्ट्रीय हिंदी पत्रकारिता दिवस पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें वरिष्ठ और युवा पत्रकारों को उनके संघर्ष और अभूतपूर्व एवं सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। पत्रकारिता दिवस पर आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि पैरा वॉलीबाल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन राघव अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि डिस्कवरी

चौनल के निदेशक फोटोग्राफी जीशान हैदर, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार सिंह, मंडलीय सूचना अधिकारी , समाजसेवी देवरांज पंवार, संजय मिश्रा संरक्षक, विजय प्रताप सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने देश में पत्रकारिता की शुरूआत से वर्तमान हालात और समय समय पर इसके स्वरूप में हुए बदलावों को लेकर चर्चा की। उन्होंने इसके लिए पत्रकारिता के क्षेत्र में आ रही नई पीढ़ी को अपने तजुर्बे से कई सीख देने का काम करते हुए समाज की सेवा के लिए कलम का प्रयोग करने को प्रेरित किया।कार्यक्रम में मैजिक डांस एकेडमी गांधी कालोनी के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान एसोसिएशन की ओर से अतिथियों और पत्रकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार गोविंद वर्मा, देवराज पवार, संरक्षक संजय मिश्रा, एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव मोहन गोयल, राष्ट्रीय महासचिव काजी अमजद अली, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुज अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शरद शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष शिवम जैन, प्रदेश प्रधान महासचिव अमित सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, प्रदेश संगठन मंत्री राकेश गुप्ता, प्रदेश महासचिव अमजद रजा, जिलाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, जिला महासचिव नैय्यर अब्बास, कार्यालय प्रभारी रचित गोयल, नीतीश मलिक, नीरज कुमार, शक्ति सिंह, जिलाध्यक्ष बिजनौर वी.पी सिंह, संरक्षक संजय मिश्रा, विजय प्रताप सिंह समाज सेवी, सचिन गुप्ता, जुगनू शर्मा, दिलशाद मलिक, धर्मेंद्र सिंह, धर्मेंद्र कुमार, मेहराब खान, सुरेश धीमन, अरविंद कुमार, खुशबू सहित सैंकड़ों पत्रकार मौजूद रहे।

गंगनहर में बहता मिला किशोरी का शव, फैली सनसनी

भोपा। शनिवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गयी जब ग्रामीणो को पता चला की क्षेत्र की गंगनहर मे किशोरी का शंव बहता दिखाई पड़ा मौके पर पहुंची भोपा पुलिस ने युवती को बाहर निकाल कर पहचान कराने प्रयास शुरू कर कपपुलिस ने शंव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया भोपा थाना क्षेत्र के गांव

निरगाजनी झाल के पास से गुज़र रहे राहगीरों ने किशोरी का शंव बहता देख पुलिस को सूचना दी।कुछ ही देर मे मौके पर ग्रामीणों की भीड जमा हो गयी। सूचना पर पहुंचे सीकरी चौकी प्रभारी विजय पाल शर्मा ने नहर मे बह रहे शंव को बाहर निकलवाकर शव की शिनाख्त के लिए आस पास के निवासियों को बुलाया। किन्तु शव की पहचान नही हो पाई। किशोरी की उम्र लगभग 15 वर्ष बताई जा रही है। जिसने नीली झींटदार फ्राक व नारंगी रंग की पजामी पहने हुई है।व दाऐ पैर मे काला धागा बधा था ओर दाऐ हाथ मे कंगन पहने हुए है। थाना प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया की निरगाजनी झाल के पास गंग नहर मे 15 वर्षीय किशोरी का शव बहता मिला था। जिसे निकलवाकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है। शिनाख्त के लिए निकटवर्ती थानो मे सूचना दे दी गयी व सोशल मीडिया आदि की सहायता ली जा रही है।

एसडी कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी में आयोजित

'भविष्य ज्योति' कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिभा सम्मान समारोह में 10वीं एवं 12वीं के मेधावी छात्रों का सम्मान

मुजफ्फरनगर। जानसठ रोड स्थित एस0 डी0 कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी, मुजफ्फरनगर भविष्य ज्योति कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस समारोह का उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा को प्रोत्साहन देना और उन्हें उच्च शिक्षा की दिशा में प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक, शिक्षक तथा गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि–श्री कपिल देव अग्रवाल जी, उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने अपने संबोधन में कहा की आज सम्मानित हो रहे ये छात्र देश के भविष्य हैं। इनकी सफलता से समाज को प्रेरणा मिलती है। ऐसे आयोजनों से छात्र और अभिभावक दोनों को प्रोत्साहन मिलता है। मैं एस0 डी0 कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी को इस अनुकरणीय पहल के लिए बधाई देता हूँ। श्री उमेश मिश्रा जी,

जिलाधिकारी, मुजफ्फरनगर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा सच्ची प्रतिभा वही होती है जो अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच से आगे बढ़ती है। ये छात्र अपने परिवार, समाज और जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं। यह आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई उड़ान देने का कार्य करेगा।

डॉ. वीरपाल निरवाल, जिला पंचायत अधिकारी, मुजफ्फरनगर ने कहा की ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों की प्रतिभाओं को एक मंच पर लाकर उन्हें सम्मानित करना वास्तव में एक प्रेरणादायक कार्य है। शिक्षा ही एकमात्र माध्यम है जो सामाजिक समरसता, आर्थिक उन्नति और नैतिक मूल्यों की स्थापना में सहायक होती है। मैं एस0 डी0 कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी को ऐसे नवाचारपूर्ण आयोजनों के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

उपाध्यक्ष–श्री विनोद कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा छात्रों की सफलता में परिवार, विद्यालय और स्वयं उनके संकल्प की अहम भूमिका होती है। यह मंच उन सभी को धन्यवाद कहने का अवसर है। मैं सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देता हूँ और कॉलेज प्रशासन को उनके प्रयासों के लिए साधुवाद देता हूँ।

सचिव–श्री अनुभव कुमार ने अपने संदेश में कहा छात्रों की मेहनत को जब समाज में सम्मान मिलता है, तो वह केवल एक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि वह नई प्रेरणा का स्रोत बनती है। हमारा संस्थान छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। एस0 डी0 कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी द्वारा आयोजित यह सम्मान समारोह छात्रों में आत्मबल और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का संचार करने में सहायक सिद्ध होगा।

निदेशक–डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने कहा 'भविष्य ज्योति' के अर्न्तगत आयोजित यह कार्यक्रम न केवल प्रतिभाओं को पहचानने का मंच है, बल्कि यह छात्रों को समाज व राष्ट्र निर्माण की दिशा में अग्रसर करने का प्रयास भी है। एस0 डी0 कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी छात्रों को सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सहसों में पत्रकारों का हुआ भव्य सम्मान समारोह

पत्रकारिता सामाजिक चेतना का माध्यम: डॉ भगवान उपाध्याय

सहसों, प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ, गंगापार प्रयागराज द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम सहसों थानापुर स्थित शुक्ला रेस्टोरेंट में किया गया। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी, जिसमें समाज के प्रति समर्पित पत्रकारों को उनकी निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए पत्रकारों को सम्मान पत्र स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस आध्यात्मिक आरंभ ने कार्यक्रम को एक पवित्र और ऊर्जावान वातावरण प्रदान किया। मुख्य अतिथि के रूप में हंडिया के वरिष्ठ समाजसेवी लोकप्रिय जनप्रिय लल्ले सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में सहसों की ब्लॉक प्रमुख श्रीमती गीता सिंह, राकेश सिंह और वरिष्ठ नेता समाजसेवी देवराज उपाध्याय मंचासीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय, राष्ट्रीय संयोजक, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा, "पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, यह एक जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का माध्यम है। आज के समय में पत्रकारों को सत्य और नैतिकता की लौ को जलाए रखना होगा।"। मुख्य अतिथि लल्ले सिंह ने

अपने संबोधन में कहा कि आज पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ ही नहीं, बल्कि जनमानस की आवाज बन चुकी है। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने भारत की आजादी से लेकर आज तक समाज के हर बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती गीता सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रहे पत्रकार सीमित संसाधनों के बावजूद पूरी निष्ठा से समाज की आवाज उठाते हैं। ऐसे पत्रकारों का सम्मान वास्तव में समाज की चेतना का सम्मान है।कार्यक्रम के दौरान हिंदी पत्रकारिता के इतिहास पर भी प्रकाश डाला गया। राकेश सिंह ने कहा की 30 मई 1826 को पंडित युगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित 'उदंत मार्तंड' के माध्यम से हिंदी पत्रकारिता का आरंभ हुआ, और तभी से इस तिथि को हिंदी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया रहा हैं इस अवसर पर विभिन्न हिस्सों से आए पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह देकर अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले पत्रकारों में वरिष्ठ एवं नवोदित दोनों श्रेणी के पत्रकार शामिल थे। वरिष्ठ पत्रकार संगठन के संरक्षक बी डी शुक्ला गामा द्विवेदी रवि दुबे रामनरेश यादव अमलेंदु त्रिपाठी हर्ष देव तिवारी कृष्ण कुमार गिरी राजन तिवारी सज्जन द्विवेदी आर डी बर्मा। शिवम नंदन त्रिपाठी आदि वरिष्ठ पत्रकारों ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर अपने–अपने विचार व्यक्त किया इस कार्यक्रम का प्रमुख रूप से राजेंद्र तिवारी त्रिकाली अरुण शुक्ला जितेंद्र कुमार शुक्ला विजय चंद्र विश्वकर्मा शिव भगवान प्रजापति हरिओम यादव अशोक कुमार मिश्रा अश्वनी मिश्रा रवि पटवा। वीरेंद्र कुमार गुप्ता कृष्ण कुमार यादव कमल राज साहू गुलफाम अहमदसुशील मोदनवाल शारदा यादव अनिल कुमार पांडे संजय कुमार पांडे अजय कुमार पटेल कार्यक्रम के आयोजक पवन कुमार शुक्ला जय कृष्णा पांडे बीरू मंच का संचालन पवन कुमार शुक्ला द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में श्याम कृष्ण शुक्ल पिंटू जिलाध्यक्ष गंगा पार भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा आए हुए अतिथियों पत्रकारों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने एक स्वर में यह अपील की कि पत्रकार अपनी लेखनी को सत्य, समाजहित और राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ते हुए, ईमानदारी और साहस के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें।

पत्रकारों का सम्मान कर सुरक्षा का दिलाया भरोसा

उपज पत्रकार संगठन के अधिवेशन में बेबाक बोले कैबिनेट मंत्री

स्थानीय होटल में आयोजित अधिवेशन में 40जनपदों के वरिष्ठ पत्रकारों ने लिया हिस्सा

मथुरा। शहर के एक होटल में शुक्रवार को हिन्दी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में प्रांतीय पत्रकार अधिवेशन का आयोजन किया गया जिसमें करीब 40 जनपदों के सैकड़ों पत्रकार और

उपज पत्रकार संगठन के प्रांतीय वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। एन यू जे आई के फाउंडर शंकरदास ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकार लोकतंत्र की आत्मा है मगर तथाकथित व्यक्ति इस मिशन को गलत कार्यों के जरिए कलंकित करने का कार्य करते हैं जिससे अच्छे पत्रकार भी बदनाम होते हैं मीडिया देश का चौथा स्तंभ है पत्रकार अपनी सही लेखनी के जरिए लोगों को न्याय दिलाने का काम करें।

प्रदेश सरकार मीडिया को निर्भीकता से सच्चाई लिखने की आजादी दे रही है किसी भी पत्रकार का उत्पीड़न नहीं हो रहा है पत्रकार संगठनों को गलत कार्य कर रहे तथाकथित मीडिया कर्मियों का भी पुरजोर विरोध कर शासन के संज्ञान में लाना चाहिए। जिससे उन पर कड़ी कार्यवाही हो सके।

उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट,(उपज) इकाई मथुरा के जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल, महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान नेतृत्व में विपिन अग्रवाल, विजय सिंघल, साहूकार शर्मा, मुकेश गुप्ता, अनुज उपमन्यु आदि ने पत्रकारों हितों में मुख्यमंत्री के नाम कैबिनेट मंत्री को ज्ञापन सौंपा। एन यू जे आई के फाउंडर शंकर दास, राष्ट्रीय महामंत्री त्रियुगनारायण तिवारी,उपज प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह, प्रदेश महा मंत्री आनंद कर्ण, मुख्य वक्ता डॉक्टर प्रसून शुक्ला, एडवोकेट महेंद्र प्रताप एडवोकेट, डॉ अशोक अग्रवाल , उमेश अग्रवाल ने हिंदी पत्रकार और पत्रकारिता पर अपने अपने विचार रखे। उपज पत्रकार संगठन मथुरा इकाई के पदाधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी को पटुका पहना कर एवं राधा कृष्ण की छवि भेंट कर सम्मान किया। कैबिनेट मंत्री ने भी उपज इकाई मथुरा आभार व्यक्त किया और उपज इकाई के समस्त पदाधिकारी एवं वरिष्ठ पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रशांत गौतम, वीरेंद्र वर्मा, वेद प्रकाश सारस्वत,विपिन सारस्वत,चेतन राघव,सुनील राज, वीरेंद्र छौंकर, गोपाल अग्रवाल, सुजीत वर्मा, डॉक्टर जगदीश पाठक राजू आदि मौजूद रहे। संचालन। डॉ विवेकानंद नंद पांडे ने किया।

पीपल बरगद आम

(कुण्डलिया)

महुआ नीम अशोक अरु,पीपल बरगद आम।
बहुउपयोगी वृक्ष यह, करें पुण्य का काम।
करें पुण्य का काम,जगत की छाया बनकर।
मौसम की सह मार ध्हरित वस्त्रों में सजकर।
बनकर सखा प्रदीप, कहें गुण गाओ इनका।
झोली सबकी भरे, मगर चुप रहता महुआ।।

खिन्नी लीची फालसा, खरबूजा तरबूज।
मौसम के अनुसार ये, फल में दिखे यलूज।
फल में दिखे यलूज,पहुँच कर घर–घर में यह।
दिल में भरें सुकून, बात अति सुन्दर सी कह।
सुनकर कहें प्रदीप, खर्च कर एक रुपल्ली।
लाओ बाजार से,फालसा अरु खिन्नी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर असम के वरिष्ठ पत्रकार लेखक ललित शर्मा हुए सम्मानित

डिब्रूगढ़। अन्तराष्ट्रीय पत्रकार संघ बीकानेर ने असम प्रान्त के डिब्रुगढ़ निवासी वरिष्ठ पत्रकार व लेखक ललित शर्मा को राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया है। गौरतलब हो कि 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस पर संघ ने ऑनलाइन के जरिये सम्मान पत्र प्रेषित करके बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संघ पत्रकारिता से जुड़े कार्यरत अनेको पत्रकारो को सम्मानित करती है। इस बार गर्मी के बढ़ते प्रकोप में ऑनलाइन के जरिये सन्मान पत्र भेजने का निर्णय लिया है। डिब्रुगढ़ असम के निवासी वरिष्ठ पत्रकार लेखक ललित शर्मा सन 1989 से दैनिक हिंदी समाचार पत्र से जुड़े पत्रकारिता की सेवा में कार्यरत है। संवादसेवा के उपरांत हिंदी असमिया राजस्थानी भाषा में गद्य पद्य लेखन अनुवाद आदि पर लेखन कार्य से घनिष्ठ जुड़े है। पिछले लंबे अर्से से पत्रकारिता के साथ लेखन क्षेत्र में रचनाये समय समय आंचलिक राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय में प्रकाशित होती रहती है। कई सामाजिक साहित्यिक संस्थाओं, जिला प्रशासन आदि द्वारा सम्मानित किये गए है।

पत्रकारिता दिवस पर एनयूजे के सदस्यों ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

रानीगंज प्रतापगढ़। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट उत्तर प्रदेश संगठन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पत्रकारिता दिवस पर पद और गोपनीयता की शपथ ली। शुक्रवार को रानीगंज स्थित निर्मला माता प्रसाद मैरेज हाल में आयोजित पत्रकारिता दिवस व शपथ समारोह में उपस्थित पत्रकारों ने आधुनिक पत्रकारिता में आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर चर्चा की और पत्रकारिता को चुनौतीपूर्ण कार्य बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवगढ़ सत्यम ओझा ने पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया और निष्पक्ष पत्रकारिता का अनुरोध किया विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित ओम प्रकाश पाण्डेय रामानुज महाराज ने कहा कि पत्रकारिता की शुरुआत हिंदी भाषा के पहले अखबार श्उदंत मार्तंडश से हुई थी 30 मई को ही देश का पहला हिंदी अखबार अस्तित्व

में आया था 30 मई 1826 को उदंत मार्तंड का पहला अंक प्रकाशित हुआ था इसलिए पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। अति विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष मीरा गुप्ता ने पत्रकारों के हित में सदैव समर्पित रहने को कहा वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णभर नाथ मिश्रा ने कहा कि पत्रकारों को भी सुरक्षा प्रदान किये जाने की अवश्यकता है जिससे निडर होकर पत्रकार कार्य कर सकें कार्यक्रम संपन्न होने से पूर्व रानीगंज थाना प्रभारी अर्जुन सिंह ने कहा की पत्रकारिता नारद मुनि जी से लेकर चली आ रही है पत्रकार देश के चौथा स्तंभ है पत्रकार हमेशा निष्पक्ष रूप से सभी की बातों को रखता है एवं पत्रकारिता करना बड़ा ही कठिन है बिना तनख्वाह के भी अपने कार्यों को करते रहना गर्व का विषय है संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र मिश्रा ने किया विशिष्ट अतिथि ओम प्रकाश पांडेय ने नव निर्वाचित कार्यकारिणी पत्रकारों को शपथ दिलाया जिसमें अध्यक्ष पद के लिए बच्चा मिश्रा,महामंत्री पवन मिश्रा बनकटा ,राकेश तिवारी , राजकुमार महाराज दीपक पांडे, सुभाष विश्वकर्मा,बृजभूषण मिश्रा, मनोज रजक,श्रीकांत यादव, कृष्णमणि मिश्रा, उदय शंकर यादव, जगदीश मोदनवाल,संदीप विश्वकर्मा,मीडिया प्रभारी सचिन उपाध्याय,सुरेंद्र बहादुर यादव,राजकुमार मिश्रा,अशोक कुमार वैश्य आदि पदाधिकारी ने शपथ लिया इस दौरान विजय प्रकाश जायसवाल, पुष्पेंद्र सिंह, लालचंद तिवारी, विक्रम सिंह एडवोकेट, प्रभाकर मिश्रा, रोहित मिश्र, राजेश उपाध्याय, राजन उपाध्याय कमला नंदन महाराज, रविंद्र मिश्रा, समेत काफी संख्या में मौजूद रहे।

सम्पादकीय.....

डेल्टा की घातकता

हाल के वर्षों में उन तमाम घटनाओं ने हर आम भारतीय को विचलित किया, जिसमें हमने लोगों को खेलते वक्त, दफ्तर में काम करते समय, मंच पर नृत्य करते अचानक बेहोश होकर गिरते देखा। इसे साइलेंट हार्ट अटैक के रूप में देखा गया। तुरत–फुरत अस्पताल ले जाने के बाद पता चला कि उस व्यक्ति की तो मृत्यु हो चुकी है। तब कुछ लोगों ने वैक्सीन के दुष्प्रभावों का जिक्र किया, लेकिन कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया। लेकिन अब एक भारतीय शोध में इस अचानक दिल की धड़कन बंद होने की वजह का पता लगाने का दावा किया गया है। यह तथ्य आईआईटी इंदौर और आईसीएमआर के सहयोग से किए गए नये शोध में सामने आया है। शोध बताता है कि कोविड–19 का डेल्टा वैरिएंट पिछले दिनों की साइलेंट हार्ट अटैक की घटनाओं की वजह बना है। साथ ही कुछ लोगों में थायराइड के अनियंत्रित होने की वजह भी इसी वैरिएंट को बताया गया है। बताया जाता है कि हाल ही में, यह शोध 'जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। यह खुलासा ऐसे समय में हो रहा है जब कोविड–19 के एक नये वैरिएंट ने एशिया और अमेरिकी देशों में लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। भारत में भी कुछ मौतों के साथ इसके संक्रमण के बढ़ते मामले दर्ज किए जा रहे हैं। दरअसल, आईआईटी इंदौर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साझे प्रयास से हुए शोध में 3134 मरीजों के जुटाए डेटा का उपयोग करके इसे अंजाम दिया गया। जिसमें कोविड–19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान मूल वैरिएंट, अल्फा, बीटा, गामा व डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित रोगियों के शरीर के रसायनों में विभिन्न बदलावों से जुड़े डेटा का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक रसायनों में आए बदलाव के साथ ही स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़ों और कोलन सेल का भी विश्लेषण किया गया। हालिया शोध में शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि डेल्टा वैरिएंट ने हार्मोन संतुलन बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभायी। दरअसल, शोध में पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट के चलते मानव शरीर में रासायनिक असंतुलन पैदा हुआ था। फलतरू कैटेकोलामाइन और थायराइड हार्मोन पैदा करने की प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न हुआ। जिसकी वजह से कोविड से उबरे लोगों में कालांतर साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड में व्यवधान की स्थितियां पैदा हुई। इसी हालिया अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ कि कोरोना के शिकार हुए लोगों में स्वस्थ होने के बावजूद, उनके शरीर में यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबोलिज्म में व्यवधान होने की पुष्टि भी हुई है। दरअसल, अचानक होने वाली मौतों, जिसे आमतौर पर साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है, में वे लक्षण नहीं दिखाई देते जो सामान्यतरू हार्ट अटैक होने पर नजर आते हैं। मसलन बेचौनी, पसीना आना, सीने में दर्द होना और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई नहीं दिए। इसमें व्यक्ति कटे पेड़ की तरह अचानक नीचे गिर जाता है, जब तक उसके उपचार की कोशिश होती है तब तक पता चलता है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। दरअसल,यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट से भिन्न है, जिसमें दिल की धड़कन बंद होती है। चिकित्सक इस स्थिति से बचाव के लिये नियमित आधे घंटे टहलने, गैर–संक्रामक रोगों मसलन उच्च रक्तचाप व मधुमेह पर नियंत्रण, तली–भुनी चीजों व डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से परहेज, सिगरेट–शराब से तौबा करने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही साइलेंट हार्ट अटैक आने पर उसे तुरंत कार्डियो पल्मोनरी रिसैसिटेशन यानी सीपीआर देने की राय दे रहे हैं। जिसे लगातार देने से जान बचाने की कोशिश की जा सकती है। जिसको लेकर समाज में जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है, क्योंकि रोगी की जान बचाने में सहायक साबित हो सकता है। जिसके बाद आपातकालीन चिकित्सा सुविधा किसी हद तक मददगार साबित हो सकती है। निस्संदेह, शोध के निष्कर्ष सचेतक और मार्गदर्शक हैं। सुखद यह भी है कि यह शोध भारतीय परिवेश में डेल्टा वैरिएंट के प्रभाव से उपजे साइलेंट हार्ट अटैक को लेकर दृष्टि को स्पष्ट करता है। जिसका लाभ भविष्य में नये वैरिएंट के प्रभावों का विशद् अध्ययन करने में भी हो सकता है।

अलग हुए ट्रंप और मस्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और उनके प्रशासन में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) अर्थात प्रशासनिक दक्षता विभाग के मुखिया एलन मस्क ने अपने पद को छोड़ने का ऐलान कर दिया है। वैसे भी इस पद पर उनकी नियुक्ति मई के आखिरी तक ही थी, क्योंकि उन्हें शविशेष सरकारी कर्मचारीश का दर्जा मिला था जिसके तहत हर साल 130 दिनों तक उन्हें संघीय नौकरी में रहने की इजाजत थी। मस्क चाहते तो इस साल की मियाद पूरी कर, अगले साल फिर से इस विशिष्ट सरकारी नौकरी में आने की घोषणा कर सकते थे।पाठकों को याद होगा कि जब ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तो किस तरह एलन मस्क ने लगभग झूमते हुए, छोटे बच्चे को कंधों पर बिठाकर उनके सत्ता में लौटने पर खुशी का इजहार किया था। इसके बाद कई अवसरों पर मस्क अपने बच्चे के साथ ट्रंप के साथ नजर आए, यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति के ओवल ऑफिस में भी जूनियर मस्क ने ट्रंप को यह कह दिया था कि ये मेरे पापा का ऑफिस है। लेकिन हाल की कुछ घटनाओं में सामने आया कि डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के परस्पर संबंधों में कुछ तनाव बढ़ा है। और पहले जैसी गर्मजोशी और शायद विश्वास की बात अब नहीं रही, इसलिए ट्रंप से मस्क ने किनारा कर लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मस्क ने लिखा, शविशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा तय समय पूरा होने पर, मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे फालतू खर्च को कम करने का मौका दिया। बताया जा रहा है कि पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन द्वारा लाए बजट विधेयक में मस्क को खामियां दिखी थीं, जिसका खुला इजहार उन्होंने किया था। बहुत कम अंतर के साथ यूएस हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव्स ने बजट विधेयक पास किया है, अब यह सीनेट के पास जाएगा। इस विधेयक पर मस्क की राय थी कि इससे संघीय घाटा बढ़ेगा। मस्क के मुताबिक ये विधेयक डीओजीई में किए जा रहे श्कामों को कमजोरश करता है। जबकि इस बजट विधेयक को ट्रंप ने बड़ा और सुंदर बताया था, इस पर मस्क ने कहा था, श्यह बिल बड़ा या सुंदर हो सकता है? मुझे नहीं पता कि ये दोनों हो सकता है। दरअसल विधेयक में चार ट्रिलियन डॉलर के कर्ज की सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव है जिसका मतलब है कि अपने खर्चों के लिए सरकार अधिक कर्ज ले सकती है, मस्क इससे असहमत हैं। उनके इस बयान के बाद से ही लगने लगा था कि ट्रंप प्रशासन और एलन मस्क के बीच दूरियां बढ़ने लगी हैं। लेकिन ये अकेला मामला नहीं है। जिस तरह से मस्क ट्रंप प्रशासन पर हावी हो रहे थे, उससे दूसरे मंत्रियों को उलझन होने लगी थी। खासकर कर्मियों की छंटनी और खर्च कम करने को लेकर मस्क दूसरे मंत्रियों से उलझते रहे। मस्क ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर विदेश विभाग में पर्याप्त स्टाफ की कटौती करने में विफल रहने का आरोप लगाया। इसी तरह एलन मस्क की परिवहन मंत्री सीन डफी के साथ भी बहस हुई क्योंकि डीओजीई ने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन में ट्रैफिक कंट्रोलर्स की संख्या कम करने की कोशिश की, जबकि उनकी संख्या पहले से ही कम है। इस तरह के वाकयों के बाद ट्रंप को डीओजीआई की शक्तियों को परिभाषित करना पड़ा। ट्रंप ने साफ कर दिया कि अब से फैसला लेने का काम मंत्रियों के पास ही होगा और मस्क की टीम का काम सिफ र्सलाह देना होगा। ये सीधे–सीधे मस्क को मिली व्यापक शक्तियों को कम करने का कदम था। दरअसल डीओजीआई में मस्क की मनमानी दिखने लगी थी, चाहे विवेक रामास्वामी को बाहर करना हो या देश के लाखों संघीय कर्मचारियों को आधिकारिक सरकारी अकाउंट ईमेल भेज कर पेशकश करना कि उन्हें इस्तीफेघ के बदले कई महीनों का वेतन (एकमुश्त रकम) दिया जाएगा। डीओजीआई की तरफ से कर्मचारियों को यह भी निर्देश गया कि वह बताएं कि उन्होंने सप्ताहभर में क्या काम किया। ऐसा न करने पर उन्हें नौकरी से निकालने की बात की गई थी। डीओजीई ने कई ऐसे नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का भी आदेश दिया, जो प्रोबेशन पर थे और जिन्हें पूर्ण सिविल सेवा सुरक्षा नहीं मिली थी। हालांकि ऐसे आदेशों को कुछ सरकारी एजेंसियों ने मानने से इंकार कर दिया था, क्योंकि उन्हें कर्मचारियों की जरूरत है। मस्क को साथ जोड़ने पर ट्रंप प्रशासन को बड़ा नुकसान तब भी हुआ जब अमेरिकी सरकार की प्रमुख विदेशी सहायता एजेंसी यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट (यूएसएड) को बंद करके उसे विदेश मंत्रालय में शामिल करने ऐलान किया गया।

मस्क तो सीधे तौर पर यूएसएड को श्एक आपराधिक संगठनश और श्कट्टर वामपंथी राजनीतिक मनोवैज्ञानिक अभियानश मानते हैं। लेकिन उनकी निजी राय ने बरसों से अमेरिका की इस कूटनीतिक पहल को नुकसान पहुंचाया। क्योंकि यूएस एड दुनिया भर में अरबों डॉलर की मदद बांटती है, खास तौर पर विकासशील देशों में इसकी मदद से चल रहे स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े कई कार्यक्रमों के बंद होने का खतरा दिखने लगा। दरअसल लोकतंत्र में व्यापारी की मानसिकता से फैसले नहीं लिए जा सकते, क्योंकि बहुत से जनहित कार्यक्रमों में मुनाफे की परिभाषा बदल जाती है। हर जगह वित्तीय लाभ–हानि का गणित नहीं बिठाया जा सकता। लेकिन एलन मस्क की तो असल पहचान एक उद्योगपति के तौर पर ही है, जिन्होंने स्पेसएक्स और टेस्ला जैसे उद्यम खड़े किए। सोशल मीडिया प्लेटफार्म से लेकर अंतिरक्ष के आंगन तक अपनी धमक दिखाई। ट्विटर को एक्स में एलन मस्क ने तब्दील किया। अंतरिक्ष में 286 दिनों तक अटके रहे यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को वापस लाने में स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल का योगदान रहा। उनकी हर परियोजना में मुनाफे की गुंजाइश देखकर ही फैसले लिए गए, ट्रंप सरकार में भी मस्क यही चाहते थे। शायद डोनाल्ड ट्रंप भी यही चाहते होंगे, क्योंकि वे भी राजनेता से पहले व्यापारी ही हैं। लेकिन दुनिया के सबसे ताकतवर देश का राष्ट्रपति होने की भी कुछ सीमाएं होती हैं, ये बात अब ट्रंप को समझ आने लगी तो मस्क उनसे बिदकने लगे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से क्यों इतनी बेचौन है सरकार?

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

ऑरेशन सिंदूर के बाद सरकार कुछ ज़्यादा बेचौन नजर आ रही है। यह बेचौनी कभी मंत्रियों की जुबां से झलकती है तो कभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषणों से। हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी अपने साक्षात्कार में जो कहा है, वह इसी बेचौनी को पुष्ट करता है। आखिर प्रधानमंत्री को श्विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करोश और संघप्रमुख को यह कहने की जरूरत क्यों पड़ी कि श्भारत के पास ताकतवर होने के अलावा कोई विकल्प नहीं हैश? फिर यह क्यों कहना पड़ा कि हिन्दू शक्ति को एक होना पड़ेगा? देश क्यों नहीं कहा? कहा तो यह भी जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। सीमांत प्रदेशों में मॉक ड्रिल चलाई जा रही है और सेना एलर्ट मोड में है। जब सीमा पर यूं तनाव बना हुआ है तब जनमानस को तमाम रोड शो और घर–घर सिंदूर बांटने जैसी प्रक्रिया में क्यों उलझाया जा रहा है? क्या यह युद्ध के माहौल को चुनावी उन्माद में बदलने की कोशिश है? आपातकालीन हालात बने रहें और ज़्यादा सवाल–जवाब भी ना हों? लिखने–बोलने पर तो गिरफ्तारियों का सिलसिला जारी है ही। फिर वे कौन सी नई परिस्थितियां हैं कि पक्ष–विपक्ष के अन्य नेता तो विदेश में हिंदुस्तान का पक्ष रखने के लिए भेजे गए हैं और देश में किसी रॉकस्टार की तरह रोड शो आयोजित हो रहे हैं ? बेशक 70 और 80 के दशक में लोकप्रिय फिल्मी शैली के संवाद आज भी लोगों में जोश भर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जब बीकानेर (राजस्थान) की भरी सभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि श्मोदी की नसों में खून नहीं गर्म सिंदूर बह रहा हैश, तब मौजूद लोगों के भीतर जोश का एक ज्वार सा पैदा हो गया था। कुछ तो श्पाकिस्तान को उड़ाना हैश जैसे संवाद बोल रहे थे। लगभग ऐसा ही जोश–ओ–जूनून जैसे कोई सेनापति अपने सैनिकों को युद्ध से पहले देता है। क्या वाकई देश को ऐसे उन्माद की आवश्यकता है? यदि हमारा मकसद अभी पूरा नहीं हुआ तब वो देश जो हमारे नागरिकों को बेड़ियों में बांधकर भेज देता है, व्यापार को मुश्किल बनाए दे रहा है, हमारे विद्यार्थियों को देश निकाला दे रहा है, उनके वीसा इंटरव्यू रद्द कर रहा है ,तब उसके कहने पर हमें युद्ध विराम क्यों करना पड़ा? जाहिर है कि हम ऐसा नहीं चाहते थे? विदेशी सामानों के बहिष्कार की बात क्या इसलिए क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने जो किया उसमें चीन का पूरा समर्थन उसे मिला और चीनी सामान हमारे घर–घर तक पहुंच चुका है? यह बेचौनी अब साफ नजर आती है कि दुनिया ने हमारा साथ नहीं दिया और हम उसे सबक सिखाना चाहते हैं। बीकानेर के बाद प्रधानमंत्री ने गुजरात के भुज में जो कहा वह भी गौर करने लायक है– श्हम इतना तय कर लें कि 2047, जब भारत की आजादी के 100 साल होंगे, विकसित भारत बनाने के लिए तत्काल भारत की इकानॉमी को 4 नंबर से 3 नंबर पर ले जाने के लिए अब हम कोई विदेशी चीज का उपयोग नहीं करेंगे। हम गांव–गांव व्यापारियों को शपथ दिलवाएं, व्यापारियों को कितना ही मुनाफा क्यों न हो, आप विदेशी माल नहीं बेचोगे। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, गणेश जी भी विदेशी आ जाते हैं। छोटी आंखों वाले गणेश जी आएंगे। गणेश जी की आंखें भी नहीं खुल रही हैं। सचमुच में ऑपरेशन सिंदूर के लिए एक नागरिक के नाते मुझे एक काम करना है। आप घर में जाकर सूची बनाइए कि आपके घर में 24 घंटे में कितनी विदेशी चीजों का उपयोग होता है। आपको पता ही नहीं होता है, आप विदेशी हेयर पिन का भी उपयोग कर लेते हैं, कंघा भी विदेशी होता है, दांत में लगाने वाली जो पिन होती है, वह भी विदेशी घुस गई है, हमें मालूम तक नहीं है। पता ही नहीं है, दोस्तो! देश को अगर बचाना है, देश को बनाना है, देश को बढ़ाना है, तो ऑपरेशन सिंदूर यह सिर्फ सैनिकों के जिम्मे नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर 140 करोड़ नागरिकों की जिम्मेदारी है। आपको याद आता है कि यह मार्मिक अपील सुनी–सुनी सी है। ठीक पांच साल पहले चीन ने पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हमारे 20 सिपाही शहीद किए थे। तब 15 और 16 जून 2020 की रात चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प हुई थी। पांच साल पहले भी ऐसा जुनून दिखाते हुए भारत सरकार ने कई चीनी एप्स पर प्रतिबंध लगाया था। चीनी सामग्रियों के बहिष्कार की बात की थी। आज फिर वही सब क्यों दोहराना पड़ रहा है ? क्यों कोई हल नहीं निकाला गया? अब तो चीन के साथ तुर्किए भी शामिल हो गया है। बार–बार की इन भावनात्मक अपीलों के ठोस नतीजे क्यों नहीं आते? आखिर सरकार ही तो चीनी सामान के भारत में दाखिल होने को रोक सकती हैय या फिर सरकार की अपेक्षा है कि चीन का सस्ता माल भारत आता रहे और लोग सड़कों पर आकर उन वस्तुओं की होली जलाएं। ऐसा तो अंग्रेजों के जमाने में होता था। फिरंगी सरकार सामान लाती थी।

और आजादी के परवाने उसकी सड़कों पर होली जलाते थे। यह अजीब विरोधाभास है। दो पल ठहरकर यह सोचिए कि छोटी आंखों वाले गणेश जी आएंगे, श्गणेश जी की आंख भी नहीं खुल रही हैश, यह बात अगर विपक्ष के किसी सदस्य ने कही होती तब सत्ता पक्ष की क्या प्रतिक्रिया होती? घर –घर सिंदूर बांटने का ऐलान भी अगर उधर से होता तब भारतीय जनता पार्टी क्या नहीं कहती कि इन्हें न संस्कारों का पता है न ही संस्कृति का, कि सिंदूर पहुंचाने का अर्थ क्या होता है। खैर सरकार बेचौन है और मोहन भागवत का साक्षात्कार भी इसकी तस्दीक करता है। उन्होंने कहा कि हमें बल संपन्न होना ही पड़ेगा। भारत के पास ताकतवर होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है और हिन्दू शक्ति को एक होना पड़ेगा। संघ में प्रार्थना की पंक्ति ही है– अजय्यां च विश्वस्य देहीश शक्तिम। यानी इतना सामर्थ्य होना ही चाहिए कि हमें कोई जीत न सके। हमें को संबोधित करते हुए देश नहीं हिंदू शक्ति कहा गया है। उन्होंने बांग्लादेश के लिए भी कहा कि अब वहां के हिंदुओं पर हुए अत्याचार की बात दुनिया भी सुन रही है। इसका जवाब देने के लिए भी सरकार में कोई प्रस्तुत नहीं है कि बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध इस हद तक क्यों बिगड़े हैं। हमने चीन और बांग्लादेश को पाकिस्तान वाले प्लेटफॉर्म पर लाकर क्यों खड़ा कर दिया? आखिर हर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनाव क्यों है? सरकार की बेचौनी बताती है कि वैश्विक समुदाय से हमें वैसा समर्थन नहीं मिला है जैसी कि अपेक्षा थी। हम अलग पड़ गए इसीलिए पक्ष–विपक्ष के धुरंधर वक्ता चुनकर दुनिया में भेजे गए हैं। संभव है कि भविष्य में इसके अच्छे नतीजे मिलें, लेकिन यह विदेश नीति की खामी और नाकामी कही जाएगी कि हम पीड़ित होकर भी दुनिया को अपने हकघ में नहीं कर पाए। प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री लगातार दुनिया के देशों की यात्रा पर रहे हैं। पहले और दूसरे कार्यकाल में तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ हंसती–बोलती तस्वीरें हमने देखी हैं जिसके नतीजे तीसरे कार्यकाल में मिलने थे। खासकर इस भयावह पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिसमें धर्म पूछकर जान ली गई। धार्मिक सौहार्द्र और सद्भाव की बात करने वाले देशों ने क्यों यकीन नहीं किया? बहस होनी चाहिए कि हम कहां चूके? संसद सही जगह हो सकती है। चाणक्य के कूटनीतिक विचार साम (शांतिपूर्ण तरीके से किसी विवाद को सुलझाना) और दाम (धन या उपहार से किसी का समर्थन लेना) को पार कर हम दण्ड पर आ गए हैं? पाकिस्तान के लिए तो यह सर्वथा उपयुक्त है लेकिन बांग्लादेश और चीन? इस खूनी नरसंहार के बाद दुनिया हमारे साथ क्यों नहीं आई? यहां हम नाकाम क्यों हुए? सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

दो सदी पर खड़े कुछ अहम सवाल

अरविंद कुमार सिंह

30 मई 1826 को बंगलाभाषी कोलकाता से हिन्दी का पहला अखबार श्उदन्त मार्तण्डश 500 प्रतियों के साथ आरंभ हुआ। केवल 79 अंक निकले और इसका जीवनकाल एक साल सात माह रहा। 4 दिसम्बर 1826 को यह बंद भी हो गया। इसके संस्थापक पं. युगलकिशोर शुक्ला ने हिन्दी पत्रकारिता की आदि प्रतिज्ञा निर्धारित की, शहिन्दुसस्तारनियों के हित हेतुश। 1976 में आपातकाल के दौरान जब इसके प्रकाशन का 150 साल हो रहा था तो लखनऊ में हजारी प्रसाद द्विवेदी के अध्यक्षता में पत्रकारों के जमावड़े के बीच 30 मई को पत्रकारिता दिवस मनाने का फैसला हुआ। तब से अब तक हिंदी हिंदी पत्रकारिता का जमीनी आधार बहुत मजबूत हो चुका है। हिंदी में नए अखबारों के साथ स्थापित अखबारों के नए संस्करण निकल रहे हैं। वेतन और सुविधाओं के मामले में हिंदी पत्रकारों की दशा पहले से बेहतर हुई हैं। इलेक्ट्रानिक मीडिया के विस्तार के बावजूद हिंदी और भाषाई अखबारों का प्रसार बढ़ता जा रहा है। चौनलों और सोशल मीडिया के प्रवाह के बाद भी खबरों को विस्तार से जानने का सबसे भरोसेमंद साधन हिंदी और भाषाई अखबार ही बने हुए हैं। अधिकतर चौनल और सोशल मीडिया पर भी हिंदी और भारतीय भाषाएं ही मजबूत हैं। देश की राजधानी रहने के कारण कोलकाता 5 भाषाओं की पत्रकारिता का प्रारंभिक केंद्र रहा। अंग्रेजी पत्रकारिता (1780), बांग्ला पत्रकारिता (1818), उर्दू और फारसी पत्रकारिता (1822) में आरंभ हुई। पर हिन्दी पत्रकारिता का अजीब दुर्भाग्या यह रहा कि पं. युगलकिशोर शुक्ल8 का कोई चित्र भी नहीं मिलता। सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधरजी ने इस विषय पर काफी काम किया है। उनका कहना है कि कुछ लोगों ने आचार्य शिवपूजन सहाय के चित्र को शुक्ला जी के चित्र के रूप में प्रसारित कर रखा है। यह खुशी की बात है कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थानि उदन्ते मार्त्तण्ड की द्वि शताब्दी् समारोह श्रृंखला 21 जून, 2025 से आरंभ कर रहा है जो 30 मई, 2026 तक चलेगा। आजादी के पहले भारत में किसी हिंदी अखबार की प्रसार संख्या 30 हजार से ज्यादा नहीं थी आज इनका व्यापक प्रसार है। विशुद्ध क्षेत्रीय माने जाने वाले कई अखबार चाहे वे कहीं से निकल रहे हों, उन्होंने राष्ट्रीय कहे जाने वाले अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। ग्रामीण अंचलों में उनकी जड़ें मजबूत हैं। हिंदी पत्रकारिता ही नहीं विश्व पटल पर हिंदी की हैसियत भी इतनी बढ़ चुकी है कि10 जनवरी, 2006 के बाद से विश्व हिंदी दिवस भी मनाया जा रहा है। दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है और तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने लोगों को हिंदी सिखा रही हैं। अपनी शक्ति के कारण ही हिंदी विश्व में बोली जाने वाली तीसरी सबसे प्रमुख भाषा बन सकी है। अंग्रेजी और मंदारिन के बाद हिंदी का स्थान है। फिर स्पेनिश और फ्रेंच का। पहले शिकायतें होती थी कि हमारे नेता हिंदी में नहीं बोलते हैं, लेकिन अब ये बात भी नहीं है। भारत 120 करोड़ मोबाइल फोन धारकों के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है। गरीब की झोपड़ी से लेकर अट्टालिकाएं तक संचार और सूचना क्रांति से आलोकित हैं। भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 94.49 करोड़ तक पहुंच गयी है। इस ताकत पर भी हिंदी की शक्ति में काफी इजाफा हुआ है। हिंदी भाषी इलाकों में साक्षरता की दर तेजी से बढ़ी है लिहाजा बड़ा पाठक वर्ग, दर्शक या श्रोता इससे जुड़ रहे हैं। अंग्रेजी के कई नामी पत्रकारों और दिग्गज नेताओं और मंत्रियों को भी हिंदी अखबारों में छपने का मोह प्रायरू दिखता रहता है। विभिन्न माध्यमों के विस्तार के बाद भी हिंदी अखबारों और पत्रिकाओं की हैसियत काफी अधिक है। उनके रंग–रूप और कलेवर बदल गए और खबरों की दुनिया भी। अंग्रेजी राज में अंग्रेजी पत्रकारिता को शासन से विशेष महत्व मिलता था, जबकि भाषाई पत्रकारिता का बागी तेवर था। तभी 1857 में लार्ड केनिंग का सबसे बड़ा प्रहार भाषाई पत्रकारों पर हुआ। तबसे नीति निर्माताओं के नजरिए में खास बदलाव नहीं आया है। खबरों के स्त्रोत को देखें तो पता चलता है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का पत्रकार भले ही जमीनी संपर्को के आधार पर बड़ी से बड़ी खबर ब्रेक कर दे पर उच्च नौकरशाही के स्तर पर उसे सीमित जानकारी केवल सूचना अधिकारियों के माध्यम से मिलती है। राजनीतिक नेतृत्व जरूर भाषाई पत्रकारों को महत्व देता है क्योंकि वोट मांगना हो या फिर जनता के बीच संवाद, वह अंग्रेजी में संभव नहीं है। इस कारण महत्व देना पड़ता है। नौकरशाही आज भी हिंदी पत्रकारिता के प्रति अलग नजरिया रखती है। आज भी हिंदी में अनुवाद की पत्रकारिता का बोलबाला बरकरार है और कई हिंदी अखबारों पर टीवी चौनलों और सोशल मीडिया की भाषा का असर भी साफ दिखता है। यह सत्य भी अपनी जगह है कि हिंदी पत्रकारिता ने देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी की लड़ाई का वास्तविक प्रतिबिंब भी हिंदी पत्रकारिता में दिखता है। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी से लेकर गणेशशंकर विद्यार्थी जैसी पत्रकार परंपरा हिंदी में रही है। लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, विनोबा भावे, काका कालेलकर. कविगुरु रवींद्रनाथ टैगौर और सी राजगोपालाचारी जैसे अहिंदीभाषी मनीषियों ने हिंदी के पक्ष में पैरवी की। गांधीजी ने स्वाधीनता आंदोलन को लोकप्रिय और व्यापक बनाने में हिंदी का आश्रय लिया और गैर हिंदी इलाकों में हिंदी का प्रचार किया। नवजागरण काल में अहिंदी भाषी विद्वानों ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की पैरवी की। यह दुख की बात है कि आजादी के इतने सालों बाद भी हिंदी पत्रकारिता एकमत होकर मानक शब्दों पर सहमति तक नहीं बना सकी है। इसके अभाव में हिंदी का पाठक भ्रम का शिकार बनता है। दुनिया के तमाम शहरों और विश्व नेताओं के नाम हिंदी के ही अखबारों में अलग–अलग छपते हैं। भारत सरकार और राज्यों में राजभाषा विभाग का व्यवस्थित तंत्र होने के बाद भी अधिकतर प्रेस नोट अंग्रेजी में जारी होते हैं। हिंदी और दूसरे भारतीय भाषाओं के पत्रकारों को उनका अनुवाद करना पड़ता है। कई अखबारों में विशेषज्ञों के लिखे अंग्रेजी आलेखों का कभी कभार अनुवाद की बात तो समझ में आती है, पर कुछ जगहों पर यह नियमित आयोजन सा दिखता है। बेशक हिंदी पत्रकारिता अंग्रेजी जैसी नहीं है। अंग्रेजी के पास वैश्विक फलक है। विराट आकाश है। उससे तुलना लायक बनाने के लिए हिंदी को कम से कम बहुत से अवरोधों को दूर करना होगा। केवल प्रसार मात्र से संतोष करना उचित नही है। तेजी से बदल रही दुनिया के बीच हिंदी पत्रकारों को दूसरी भारतीय भाषाई भाषाओं की शक्ति और आपसी तालमेल से मौजूदा तस्वीर को बदला जा सकता है। बेशक खबरों की खरीद–फरोख्त के धंधों से लेकर तमाम विकृतियों ने हिंदी और अन्य भाषाओं को आहत किया है।

लिसा मिश्रा

पचासों बार रिजेक्ट हुई, मुझे वो रोल न मिलता तो मैं डिप्रेशन में चली जाती

उड़ीसा में जन्मी और शिकागो में पली–बढ़ी लिसा मिश्रा पिछले 7 सालों से मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड के कई गानों के कवर गाए हैं और श्कॉल मी बेश के बाद अब श्द रॉयल्सश वेब सीरीज में भी नजर आई हैं। उड़ीसा में जन्मी और शिकागो में पली–बढ़ी लिसा मिश्रा आज भले मनोरंजन जगत में अपनी जमीन तलाश रही हैं, मगर उन्हें मुंबई आए 7 साल हो गए हैं। बॉलिवुड के कई मशहूर गीतों के कवर गए चुकी लिसा रे श्कॉल मी बेश के बाद अब हालिया वेब सीरीज श्द रॉयल्सश में भी नजर आईं। भारतीय मूल की ये अमेरिकन सिंगर–एक्टर बॉलिवुड में आगे बढ़ने को आतुर हैं और दिलजीत दोसांझ की तरह अपने सिंगिंग–एक्टिंग करियर को आगे बढ़ाना चाहती हैं। उनसे एक मुलाकात। अपनी बैकग्राउंड के बारे में वह कहती हैं, श्मैं बरमपुर उड़ीसा की पैदाइश हूं। मेरे पापा–मम्मी दोनों उड़ीसा से हैं। मेरे पापा स्टेट बैंक के कर्मचारी थे, जबकि मम्मी यूनिवर्सिटी में प्रफेसर थीं। जिस वक्त मैं महज 6 साल की थी, मेरे पिता को कैंसर हो गया था, उसी वक्त हम शिकागो में शिफ्ट हो गए। हालांकि मेरा पैतृक परिवार आज भी उड़ीसा में है, मगर तब मैं, मेरी बड़ी बहन, मम्मी और पापा शिकागो शिफ्ट हो गए। मैंने पूरे 18 साल अमेरिका में बिताए। मगर इतना जरूर कह सकती हूं कि बाहरी तौर पर भले मैं अमेरिकन लगूं, मगर घर के अंदर मैं और मेरा परिवार काफी देसी रहा, क्योंकि मेरे माता–पिता नहीं चाहते थे कि हम अपनी जड़ें भूलें।श ऐश्वर्या राय ने ब्ंददमे में नहीं छोड़ा भारतीय संस्कृति का साथ, बेटी का हाथ थामे दिखीं हसीना ऐश्वर्या राय बच्चन ने ब्ंददमे में किया नमस्ते, मांग में सिंदूर भर तलाक की अफवाहों पर दो टूक जवाब अदिति राव हैदरी ने ब्ंददमे में लगाया सिद्धार्थ के नाम का सिंदूर, फैंस बोले– भारतीय नारी सब पर भारी पत्नी के साथ आपत्तिजनक हालत में था 17 वर्षीय किशोर, पति ने देखा तो उठाया खौफनाक कदम श13 साल की उम्र में अपना यूट्यूब चौनल खोलाश लिसा का मानना है कि संगीत हमेशा उनका पहला प्यार रहा। वह कहती हैं, श जब मैं शिकागो में थी, तो इंडियन क्लासिकल संगीत की विधिवत शिक्षा नहीं ले पाई, क्योंकि मेरे पास उस तरह के रिसोर्सेज नहीं थे, मगर मैं 3–4 साल की उम्र से बॉलिवुड गाने गाने लगी। बॉलिवुडका वो संगीत मेरे भीतर रह गया। मैं मात्र 13 साल की रही होऊंगी, जब मैंने पहली बार अपना यूट्यूब चौनल खोला था। तब मैं इंग्लिश गाने गाती थी, मगर ये अहसास होने में मुझे काफी समय लग गया कि मुझे हिंदी गाने गाने चाहिए। मेरा पहला गाना था कबीरा और उस कवर को गाने के बाद मुझे लगा कि बॉलिवुड गीतों की काफी फैन फॉलोइंग है। 3–4 साल तक मैं लगातार बॉलिवुड गानों के कवर गाती रही और मैंने जब वीरे दी वहडिंग का कवर तारीफां और लेट मी लव यू का कवर गाया तो सोनम कपूर और उनकी निर्मात्री बहन रिया कपूर ने मुझे आधिकारिक रूप से इंडिया में आमंत्रित किया कि मैं वीरे दी वहडिंग का रीप्राइज वर्जन गाऊं। तब मुझे अहसास हुआ कि अगर मुझे अपना करियर बनाना है, तो मुझे यहीं मुंबई में रहना होगा। मैंने यहां सिंगिंग ही नहीं कंपोजिशन और लिरिक्स राइटिंग का काम भी शुरू किया। पिछले साल मैंने अपना एक अल्बम भी जारी किया था।श श्पैर टूट गया था और मम्मी –पापा से बहुत दूर थीश पिछले 7 सालों से लिसा मुंबई में हैं और उनके माता–पिता आज भी शिकागो में रहते हैं। मुंबई में उनके लिए सबसे मुश्किल दौर कौन–सा था? इस पर वह कहती हैं, श्मुंबई जितनी ऊर्जा मैंने दुनिया के किसी शहर में महसूस नहीं की। यह शहर मेहनतकशों का शहर है। आज ओटीटी और इंटरनेट के कारण सभी को मौके मिल रहे है। मुझ जैसों को मिला है। मगर अपने –अपने हिस्से का संघर्ष तो सभी को करना पड़ता है। मेरे लिए सबसे बड़ा संघर्ष था अपने परिवार से सात समंदर दूर रहना। वह लोग शिकागो में हैं और मैं यहां हूं। बहुत याद आती है उनकी। आपको अपने मम्मी–पापा का हग चाहिए होता है और उनके हाथ का खाना भी। अब साल में उनसे मिलने आप एक–दो बार ही जा सकते हैं। मुझे याद है कोविड के समय मेरा पैर टूट गया था और मैं यहां मुंबई में अकेली थी। उस वक्त मैंने अपने मम्मी–पापा को बहुत याद किया। कई बार उन्हें याद करके रोई हूं। कोविड में जब सारी दुनिया बंद पड़ी थी, तब आपको टूटे पैर के साथ अपने सारे काम करने पड़ रहे थे। वो दौर मेरे लिए काफी मुश्किल था।श श्दिलजीत दोसांझ की तरह सिंगर–एक्टर बनना चाहती हूंश सिंगिंग से शुरुआत करने वाली लिसा कॉल मी बे से अपने अभिनय की यात्रा का आगाज भी कर चुकी हैं। वह कहती हैं, श्जैसा मैंने कहा कि संगीत हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा। आज हमारी इंडस्ट्री में कई सिंगर–एक्टर हैं, मगर मैं इस मामले में दिलजीत दोसांझ को अपना आदर्श मानती हूं। मैं उन्हीं की तरह गायन और अभिनय करना चाहूंगी। एक जमाना था, जब सुरैया, नूरजहां, अशोक कुमार और किशोर कुमार सरीखे सिंगर–एक्टर हुआ करते थे। आज हम जैसे कलाकार सिंगिंग और एक्टिंग करते हैं, तो लोगों को नया लगता है, मगर ये तो हम पहले से करते आए हैं। मैं सिंगर–एक्टर के रूप में अपना सफर जारी रखना चाहूंगी। आज इंडिया ही नहीं पूरी दुनिया भर में लेडी गागा, सेलेना गोम्स, विल स्मिथ सरीखे एक्टर–सिंगर छाए हुए हैं। आज मौके भी बहुत हैं और नई चीजों को स्वीकार करने की लोगों की क्षमता भी बढ़ी है।श श्जीनत अमान पापा की फेवरेट हैंश लिसा को अपनी सीरीज कॉल मी बे मेंअनन्या पांडे और द रॉयल्स में भूमि पेडनेकर जैसी बॉलिवुड अभिनेत्रियों के साथ काम करने का मौका मिला। वह कहती हैं, श्मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे इतने कलाम के को–एक्टर्स मिले। मैंने कॉल में बे में अनन्या पांडे के साथ और द रॉयल्स में भूमि पेडनेकर के साथ काम किया और मैं कह सकती हूं कि दोनों ही मेरी प्यारी दोस्त हैं।

कुछ लोग अभी भी पैसा और, ऑपरेशन सिंदूर पर बॉलीवुड की चुप्पी को लेकर बोले जावेद अख्तर

दिग्गज गीतकार और लेखक जावेद अख्तर हमेशा से ही अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। जावेद हर मुद्दे पर फिर चाहे वो मद्दा राष्ट्रीय ही क्यों न उस पर खुलकर अपनी बात रखते हैं। ऐसे में अब जावेद ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के बाद बॉलीवुड हस्तियों की चुप्पी को लेकर बात की। उन्होंने एक तरफ जहां जम्मू और कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सरकार ने जिस तरह से पाकिस्तान को करारा जवाब दिया उसकी तारीफ की। वहीं, दूसरी तरफ बॉलीवुड हस्तियों की चुप्पी साधी रखने पर रिएक्ट किया। जावेद अख्तर ने हाल ही में श्द लल्लनटॉपश को अपना इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में जावेद ने कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। इसके साथ ही जब उनसे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल किया गया किया कि कई नामी एक्टर और फिल्म निर्माता इस ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी करने या सार्वजनिक रूप से सरकार के कोशिशों की सराहना करने से क्यों बच रहे हैं?

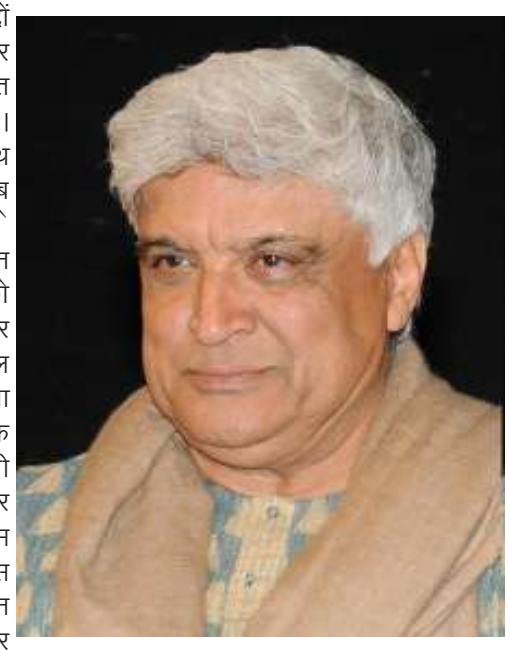

इस सवाल पर जावेद ने दो टूक जवाब देते हुए कहा, मैंने इसके बारे में बात की, मैं चुप नहीं रहा। कभी–कभी लोग मेरी बात को पसंद नहीं करते हैं, कभी–कभी वे पसंद करते हैं। लेकिन मैं वही कहता हूं जो मुझे सच लगता है। अब कौन नहीं बोलता। मुझे कैसे पता? बहुत से लोग अराजनीतिक भी हैं।

जावेद अख्तर ने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए आगे कहा, देखिए, जब मैं यंग था, भले ही मैं एक राजनीतिक रूप से जागरूक और बहुत मुखर परिवार से आया था, लेकिन जब मेरी फिल्में एक के बाद एक हिट हो रही थी, मुझे राजनीति में क्या चल रहा था, इसका कोई अंदाजा नहीं था। शायद मैंने अखबार भी नहीं पढ़ा होगा। तो ऐसा होता है। कुछ लोग बस अपने काम में व्यस्त रहते हैं। अगर वे नहीं बोल रहे हैं, तो कोई बात नहीं। इसमें बड़ी बात क्या है? कुछ लोग बोल रहे हैं। बहुत से लोग बोल रहे हैं। दूसरे लोग अलग–अलग लक्ष्यों का पीछा कर रहे हैं। वे ज्यादा पैसा या शोहरत कमाना चाहते हैं। उन्हें करने दीजिए। हर किसी के लिए बोलना जरूरी नहीं है, या हमें यह पूछना जरूरी नहीं है कि उन्होंने क्यों नहीं बोला।

रेड 2 ने 30वें दिन फिर दिखाया कमाल,कमाई में आया उछाल

बॉलीवुड के दमदार एक्टर अजय देवगन की फिल्म रेड 2 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में अजय के अलावा रितेश देशमुख और वाणी कपूर लीड रोल में नजर आ रहे हैं। रेड 2 में दोनों ही स्टार्स की एक्टिंग की जमकर तारीफ हो रही है। यही नहीं, इस फिल्म की कहानी को क्रिटिक्स के भी बेहतरीन रिव्यू मिले हैं। रेड 2 ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है। अब फिल्म को रिलीज हुए 30 दिन हो गए हैं। ऐसे में अब रेड 2 ने अपना आखिरी दांव खेला है। शुक्रवार को फिल्म की कमाई में उछाल आया है और उम्मीद है कि वीकेंड में ये और बढ़े। तो चलिए जानते हैं इसने बॉक्स ऑफिस पर कितना कमा लिया। रेड 2 साल 2018 में आई अजय देवगन की मच अवेटेड फिल्म रेड का सीक्वल है जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। इसकी सफलता को देखते हुए मेकर्स रेड 2 लेकर आए और इसने किसी को निराश भी नहीं किया। रेड 2 के सामने अब राजकुमार राव की भूल चूक माफ और सुनील शेट्टी की केसरी वीर खड़ी है। इसके बावजूद रेड 2 ने हर दिन को शानदार कमाई कर रही है। ऐसे में अब रेड 2 के 30वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं। Sacnilk की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार, रेड 2 ने शुक्रवार को घरेलू बॉक्स पर 0.60 लाख रुपये का कलेक्शन कर लिया है। ऐसे में अब इसका टोटल कलेक्शन 165.70 करोड़ रुपये हो चुका है।

बॉलीवुड अभिनेत्री निकिता दत्ता और उनकी मां कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। फिलहाल निकिता घर पर क्वारैंटाइन हैं और उन्हें हल्के लक्षण हैं। उन्होंने अपने सभी काम फिलहाल के लिए रोक दिए हैं। निकिता दत्ता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, ष्कोविड ने मुझसे और मेरी मां से हेलो कह दिया है। उम्मीद है ये अनचाहा मेहमान ज्यादा दिन नहीं रहेगा। इस छोटे से क्वारैंटाइन के बाद मिलते हैं। सभी लोग सुरक्षित रहें।ष फिल्म ज्वेल थीफ में हाल ही में दिखीं थीं निकिता निकिता हाल ही में फिल्म ष्ज्वेल थीफष में नजर आई थीं। उन्होंने इस फिल्म के जरिए अपना श्बॉलीवुड ड्रीमश पूरा होने की बात भी कही थी। उन्होंने कहा था, षसिद्धार्थ आनंद की दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी बात है। इस फिल्म ने मुझे क्लासिक बॉलीवुड हीरोइन वाली फीलिंग दी है। सिर्फ डांस करने की बात नहीं है, बल्कि एक्ट्रेस जैसा फील करने का मौका मिला।ष निकिता ने 2014 में किया था। बॉलीवुड में डेब्यू बता दें कि निकिता दत्ता ने साल 2012 में फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्होंने साल 2014 में श्लेकर हम दीवाना दिल फिल्मश से डेब्यू किया।

भोजपुरी इंडस्ट्री से लेकर छोटे पर्दे तक पर राज करने वाली इस हसीना ने हाल ही में कई खुलासे किए हैं. उन्होंने बताया कि कैसे उनसे गंदी डिमांड की गई. भोजपुरी सेंसेशन मोनालिसा किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें काफी तकलीफों का सामना करना पड़ा है. मोनालिसा ने हाल ही में इंटरव्यू में बताया कि उन्हें कई बार कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा है. इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि एक वक्त था जब उनसे काम के बदले कोम्प्रोमाइज करने यानी फिजिकल होने की डिमांड की गई थी. एक्ट्रेस ने बताया,श्ये ऑफर उन्हें तब मिला था जब वो करियर की शुरुआत कर रही थीं और कोलकाता से मुंबई आई थींश. मोनालिसा ने जब कोम्प्रोमाइज करने से इंकार किया तो उन्हें लंबे वक्त तक काम नहीं मिला. ऐसे में उन्हें मन मारकर बीग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा,लेकिन उन्होंने सोच लिया था कि वो कभी भी शॉर्टकट का सहारा नहीं लेंगी. एक बार तो मोनालिसा पर होमोसेक्सुअल रिलेशन बनाने का दवाब डाला गया.लेकिन, मेकर्स के कई बार बोलने के बाद भी मोनालिसा ने ऐसा काम नहीं किया.

माइक्रोवेव को साफ करने का सबसे बेस्ट तरीका ये रहा, जिद्दी दाग के साथ बदबू भी होगी दूर

हर भारतीय किचन में माइक्रोवेव का प्रयोग बहुत किया जाता है। कुकिंग से लेकर बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करने में कई बार माइक्रोवेव का इस्तेमाल होता है। जिस कारण बहुत तेजी से इसमें जिद्दी दाग, बदबू और चिकनाहट पैदा हो जाती है। जिसे साफ करना महिलाओं के लिए थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे

में आप इसे साफ करने के लिए कुछ ट्रिक्स को अपना सकती है। तो चलिए जानते है उसके बारे में।

सोडा और पानी

पानी और बेकिंग सोडा सबसे पहले तो एक साथ मिक्स करें। जिसमें सोड़े की मात्रा ज्यादा होनी चाहिए। एकदम गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। अब जहां–जहां दाल, सब्जी चिपका हुआ है वहां–वहां इसे लगाकर 5–10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद पहले गीले कपड़े से फिर साफ कपड़े से पोंछ लें। सारे जिद्दी दाग आसानी से निकल जाएंगे।

विनेगर

माइक्रोवेव को साफ करने के लिए आप सिरका और पानी की मदद ले सकते हैं। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में इनका घोल डालें और माइक्रोवेव में अंदर स्प्रे कर लें। इसके बाद इसे करीब 4 मिनट के लिए चलाकर वाइप करें। ऐसा करने से माइक्रोवेव साफ हो जाएगा।

नींबू

माइक्रोवेव को साफ करने के लिए सबसे पहले नींबू के दो टुकड़े कर लें। इसके बाद माइक्रोवेव प्लेट पर नींबू को उल्टा करके रखें। अब इस प्लेट पर साथ–साथ 1 चम्मच पानी भी डाल दें और माइक्रोवेव को 1 मिनट के लिए चला दें। एक मिनट बाद जब माइक्रोवेव बंद हो जाए तो साफ कपड़े से पोछ लें।

पेपर टॉवल

इसके लिए आप 3 से 4 पेपर टॉवल को हल्का गीला करें और इसे माइक्रोवेव में रखें। अब माइक्रोवेव ऑन कर दें और करीब 3 से 5 मिनट तक हाई हीट पर चलाएं। ऐसा करने से माइक्रोवेव के अंदर लगा दाग आदि साफ हो जाएगा।

नहाने के बाद कभी न रखे बाथरूम में खाली बाल्टी, वरना जेब में नहीं बचेगी एक भी फूटी कोड़ी

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इसका प्रभाव न केवल मन और मानव शरीर पर पड़ता है बल्कि घर में रखी हर एक चीज पर भी पड़ता है। दरअसल वास्तु में ऐसे नियम बताए गए हैं जिनको अपनाकर व्यक्ति अपना जीवन सुखी, सरल और संपन्न बना सकता है। लेकिन वास्तु का पालन न करने वाले

लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आपको बता दें घर के कमरे से लेकर किचन व बाथरूम तक हर एक चीज में वास्तु का विशेष संबंध है। ऐसे ही बाथरूम में रखी बाल्टी भी यदि सही तरीके से न रखी गई हो तो यह दुख का कारण बन सकता है। तो चलिए जानते है बाथरूम में रखी बाल्टी से जुड़े वास्तु के नियम के बारे में।

न रखें खाली बाल्टी

घर में कई बार हम नहाने या कपड़े धोने के बाद बाल्टी खाली करके बाथरूम में रख देते हैं जिसे वास्तु में अशुभ माना जाता है। वास्तु का कहना है कि अगर आप बाथरूम में बाल्टी खाली रखते है तो ऐसा करने से घर में पैसों की तंगी होने लगती हैं व व्यक्ति आर्थिक परेशानियों से भी जूझने लगता है इसलिए हमेशा नहाने व कपड़े धोने के बाद बाल्टी को साफ करके पानी से भरकर रखना चाहिए। इससे आपके जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी।

इस रंग की बाल्टी न रखें

वहीं दूसरी ओर वास्तु में यह मानयता है कि बाथरूम में कभी भी काले रंग की बाल्टी नहीं रखनी चाहिए। काली बाल्टी घर में कष्टों का कारण बन सकती हैं। वास्तु के मुताबिक नीला रंग शनि और राहु के अशुभ प्रभाव को कम करता है। इसलिए बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी रखनी चाहिए। उनका कहना है कि नीले रंग की बाल्टी बाथरूम में रखना शुभ माना जाता है। इसके अलावा बाथरूम में नीले रंग की टाइल्स ही लगवानी चाहिए।

बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी और यमी पनीर रोल, टिफिन के लिए है एकदम परफेक्ट रेसिपी

पनीर रोल एक ऐसी फूड डिश है जिसे बच्चे बड़े चाव से खाते है। ये खाने में जितनी टेस्टी लगती है इसे बनाना उतना ही आसान है। सुबह का वक्त सभी के लिए काफी व्यस्तता से भरा होता है, ऐसे में कई बार ऐसी नौबत भी आ जाती है जब ब्रेकफास्ट बनाने के लिए ज्यादा वक्त नहीं बचता। ऐसी सूरत में पनीर रोल बनाना बेस्ट ऑप्शन है तो चलिए जानते है इसे बनाने की रेसिपी।

सामग्री

गेंहू का आटा – 3 कप
पनीर – 200 ग्राम (टुकड़ों में कटे हुए)
शिमला मिर्च – 1 (टुकड़ों में कटी हुई)
प्याज – 1 (बारीक कटा हुआ)
टमाटर – 1
मटर –आधा कप
जीरा – आधा चम्मच
नमक –स्वादानुसार
तेल – आवश्यकतानुसार
हल्दी – आधा चम्मच
केचप– स्वादानुसार
चिली सॉस –स्वादानुसार
धनिया पत्ते –मुट्ठीभर
गरम मसाला –आधा चम्मच
खीरे और प्याज के टुकड़े– पतले कटे हुए

बनाने की विधि

1 पनीर रोल बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे को अच्छे से गूंथ लें।

2 फिर कड़ाही में 2 चम्मच तेल डालें और तेल गर्म होने के बाद उसमें जीरा डालें।

3 अब उसमें टमाटर और प्याज डालकर थोड़ी देर भून लें।

4 इस मिश्रण में फिर सब्जियां, गरम मसाला, हल्दी के साथ नमक डालें और ढककर थोड़ी देर पकाएं।

5 इसके बाद इसमें पनीर के टुकड़ों को मिलाएं और बीच–बीच में कड़छी चलाते रहें।

6 अब गैस बंद करके ऊपर से धनिया पत्ता डालकर एक बार फिर मिलाएं।

7 इसके बाद गूंथे हुए आटे की रोटी बना लें।

8 इसमें केचप और टोमेटो सॉस लगा लें और पनीर के मिश्रण को डाल दें।

9 इसके ऊपर फिर खीरा डालकर रोटी रोल कर लें।

10 लीजिए तैयार है आपकी पनीर रोल की रेसिपी।

पति–पत्नी में होती है रोज लड़ाई, तो ये उपाय दूर करेंगे आपकी हर समस्या

शादी के बाद हर लड़का और लड़की की जिंदगी बदल जाती है। इस रिश्ते में कभी एक पल प्यार तो कभी एक पल में तकरार होने लगती है। आपने कई लोगों के मुंह से एक बात जरूर सुनी होगी कि श्शादी का लड्डू जो खाए सो पछताए, जो ना खाए वो भी पछताएश। लेकिन कभी–कभी किन्ही कारणों से शादीशुदा जिंदगी में मधुरता खत्म होने लगती है। ऐसी स्थिति में सेपरेशन का खतरा बढ़ जाता है। इसके लिए समय से पूर्व ही उपाय करना फायदेमंद होता है। वास्तु शास्त्र में पति–पत्नी के रिश्ते को मध ुर बनाने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को करने से रिश्ते मधुर हो जाते हैं। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

इन आसान उपायों से रिश्ते करें मधुर

1 पति–पत्नी में हमेशा खटपट रहती है तो आपको महादेव और माता पार्वती की नियमित रूप से पूजा करनी चाहिए। ध्यान रहे पूजा के समय घी का दीपक जलाकर अपने रिश्ते को मधुर बनाने की भगवान से कामना करें। ऐसा करने से आपस में जो झगड़े होते है वो दूर हो जाएगे। कोशिश करें की शिव चालीसा का पाठ जरुर पढ़ें।

2 अपने रिश्ते को ठीक करने के लिए शुक्रवार के दिन मंदिर जाकर मां लक्ष्मी को गुलाब का फूल और श्रृंगार का सामान अर्पित करें। इसके साथ मां को सफेद रंग की मिठाई भी भेंट करें। ऐसा करने से आपके रिश्ते मधुर हो जाएगे। क्योंकि शुक्रवार का दिन मां

दुर्गा और लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस लिए सच्चे मन से मंदिर जाकर यह उपाय करने से आपको सफलता जरूर हासिल होगी।

3 तीसरे उपाय में आप रिश्ते को मजबूत करने के लिए गुरुवार के दिन हल्दी की गाठों को पीले रंग के कपड़े में बांध दें। इसके पश्चात हाथ में रख श्ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमःश मंत्र का जाप करें। अब हल्दी भगवान विष्णु को अर्पित कर दें। ऐसा करने से आपके रिश्ते में जो बिना वजह के खटपट होती है वह दूर हो जाएगी।

सोते समय जरुर रखें सिरहाने पर कपूर

4 अगर पति–पत्नी के बीच लंबे समय से अनबन है, तो रोजाना रात में सोते समय सिरहाने पर कपूर रखें। आप चाहे तो तकिए के नीचे भी कपूर रख सकते हैं। अगली सुबह कपूर को जला दें। इस उपाय को करने से रिश्ते मधुर होते हैं।

5 ध्यान रहे विवाहित महिलाओं को वायव्य कोण में नहीं सोना चाहिए। इस दिशा में सोने से वैवाहिक जीवन में परेशानी आती है। साथ ही धन के देवता कुबेर भी अप्रसन्न हो जाते हैं।

6 वास्तु का कहना है कि तो बेड पर पति को दाएं तरफ और पत्नी को बाएं तरफ सोना चाहिए। इससे रिश्ते मधुर रहते हैं।

बच्चा बनेगा बेहतर और सफल इंसान, बस पेरेंट्स अपनाएं ये गोल्डन रूल्स

बच्चों को बेहतर इंसान बनाने के लिए पेरेंट्स को बच्चों पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत होती है। जिससे आपके बच्चे सामाजिक रूप में ढल सकें और एक बेहतर इंसान बनकर निकलें। इसलिए आज हम आपके लिए ऐसे गोल्डन रूल्स और टिप्स लेकर आए है। जिनकी मदद से आप बच्चों को एक बेहतर और सफल इंसान बना सकते हैं। इन टिप्स को अपनाने के बाद ना तो आपके बच्चे बात–बात में जिद करेंगे और ना ही ऐसा होगा कि वो आपकी बात ना सुनें।

बच्चों को चीजों की वैल्यू समझाएं

बच्चों को सुख सुविधाएं देना हर माता पिता की जिम्मेदारी होती है लेकिन आप इसे थोड़ा लिमिट में करें। क्योंकि अगर आप बच्चों की हर इच्छा पूरी कर देते है। उसे बोलेने के पहले ही चीज या कोई वास्तु लाकर दे देते है। ऐसा करने से बच्चा बिगगड़ जाता है। मान लीजिए आपका बच्चा नौकी क्लास में पड़ता है। दूसरे बच्चों को देखकर उसने आपसे आईफोन की मांग की है। अगर आप उसकी यह मांग पूरी कर देते है। तो यह ठीक नहीं है। यह आपका बच्चे के प्रति प्यार नहीं फैशन और स्टेटस सिंबल है। इससे बच्चे चीजों की वैल्यू करना बंद कर देंगें, वो मेहनत से दूर भागेंगे क्योंकि आपने उनके लिए एक शॉर्टकट पहले से ही तैयार कर रखा है। सोचिए अगर आप अपने बच्चों को महंगे फोन अभी से देने लगे तो वो पहली सैलरी की वैल्यू कभी समझ ही नहीं पाएंगे। कई मामलों में ऐसे बच्चे मेहनती नहीं बन पाते और ये हमेशा याद रखिए कि अगर बच्चा मेहनत से दूर भागेगा तो आपका बच्चा सफल नहीं बन पाएगा।

बच्चों से हरअपडेट लें

जब भी आप काम से घर आते है थोड़ी रेस्ट करने के बाद एक घंटा अपने बच्चों के साथ बिताएं। उनके साथ मिल्क शेक, मैंगो शेक या बनाना शेक का एक–एक गिलास लेकर कहीं शांति की जगह पर बैठ जाएं। फिर उनसे माता–पिता जैसे नहीं बल्कि एक दोस्त जैसे बात करें। उनसे पूछें कि उनकी क्लास में क्या चल रहा है, उनकी पढ़ाई में उन्हें कोई दिक्कत तो नहीं। उन्हें भरोसा दिलाएं कि आप उनके साथ उनकी परेशानी हल करने के लिए बैठे हैं ना कि उन्हें डांटने या जासूसी करने के लिए। अगर शुरुआत में बच्चा आपको कुछ भी बताने में झिझक रहा है तो उससे जिद ना करें। उस बात को वहीं छोड़ दें और अपनी बातें बच्चे से शेयर करें। ऐसा करने से बच्चे ध ीरे–धीरे आपको दोस्त मानने लगेंगे और आपके अपने दिल की बात कहेंगे।

गलतियों का एहसास कराएं

बच्चों की गलतियों को बच्चा समझ कभी न टाले, ऐसा करने से उन्हें और बढ़ावा मिलेगा। अगर बच्चा गाली सीख रहा है और उसे रिपीट भी कर रहा है तो उसे फौरन टोकिए और टोकने का तरीका ऐसा रखें कि बच्चे को बेईज्जती जैसा महसूस ना हो। अगर बच्चा पब्लिक प्लेस में ऐसा कर रहा है तो उसे घर आकर समझाइए और अगर घर पर ऐसा कर रहा है तो किसी एकांत सी जगह पर ले जाकर उसे इस गलती के बारे में बताइए।

अपनी सेहत का ख्याल रखें

माता–पिता बच्चों के चक्कर में अपना अच्छे से ख्याल रखना भूल जाते है। अगर आपकी सेहत ठीक नहीं रहेगी तो इससे बच्चे की परवरिश पर भी असर पड़ेगा। सेहत का ठीक ना होना कहीं ना कहीं चिड़चिड़ेपन और उलझन को जन्म देता है। इससे आपके अंदर गुस्सा भी जन्म ले सकता है जिसका सबसे ज्यादा असर बच्चे पर पड़ सकता है।

सुदर्शन ने अपनी बल्लेबाजी का श्रेय काउंटी क्रिकेट को दिया, इंग्लैंड दौरे को लेकर दिया यह बयान

अहमदाबाद। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस की टीम भले ही फाइनल की रेस से बाहर हो गई हो, लेकिन टीम के कई खिलाड़ियों ने काफी प्रभावित किया। साई सुदर्शन जहां फिलहाल सीजन के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, वहीं प्रसिद्ध कृष्णा के पास पर्पल कैप है। गुजरात के बाहर होने के बाद अब भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन और सुदर्शन इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होंगे, जहां उन्हें 20 जून से शुरू हो रही पांच मैचों की सीरीज में हिस्सा लेना है। इंग्लैंड दौरे से पहले सुदर्शन ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि काउंटी क्रिकेट में कुछ मैच खेलने के बाद यकीन हो गया कि बल्लेबाजी में बुनियादी चीजों पर ध्यान देना सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुदर्शन ने कहा कि इंग्लैंड के अपने पहले टेस्ट दौरे से पहले उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला है।

सुदर्शन आईपीएल में शानदार फॉर्म में दिखे

सुदर्शन ने आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी करते हुए गुजरात के लिए 54.21 की औसत से 759 रन बनाए। उनकी टीम के शुक्रवार की रात को एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस से हारने के बाद उनका ध्यान लाल गेंद की क्रिकेट पर केंद्रित हो गया है। पिछले कुछ सत्र में सरे के लिए खेलने वाले बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के छह जून से नॉर्थम्पटन में भारत ए और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे मैच में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि ऐसा संभव है। टेस्ट टीम छह जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

काउंटी क्रिकेट से बहुत अच्छा अनुभव हासिल हुआ

सुदर्शन ने कहा, मैंने काउंटी क्रिकेट में सात मैच खेले हैं, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो इससे मुझे बहुत अच्छा अनुभव हासिल हुआ। इससे मेरी बल्लेबाजी में तकनीक और बुनियादी बातों के मामले में कई गुना सुधार हुआ। इससे मुझे पता चला कि बल्लेबाजी में 'बेसिक्स' सबसे महत्वपूर्ण चीज हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि इससे मुझे मदद मिलेगी और मैंने जो सीखा है उस पर अधिक ध्यान दूंगा। मैं सीरीज से पहले खुद को जागरुक करने और जागरुकता पैदा करने पर ध्यान दूंगा।

सीमित ओवर के क्रिकेट की आदत लग चुकी

सुदर्शन ने स्वीकार किया कि वह लंबे समय से सीमित ओवरों की क्रिकेट में खेल रहे हैं और सफेद गेंद से खेलने की आदत तुरंत छोड़ना मुश्किल होगा, लेकिन पहला टेस्ट मैच 20 जून से शुरू होगा और उनके पास लंबी अवधि के प्रारूप में खेलने के लिए सामंजस्य बिठाने के लिए पर्याप्त समय है। उन्होंने कहा, शनिश्चित रूप से, सफेद गेंद के टूर्नामेंट के तीन महीने के लंबे समय के बाद आपकी बल्लेबाजी में कुछ चीजें बदल गई होंगी। मुझे लगता है कि 'बेसिक्स' पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और उन्हें लाल गेंद के क्रिकेट में लागू करने में कुछ समय लगेगा, लेकिन श्रृंखला शुरू होने से पहले तैयारी करने के लिए हमारे पास कुछ अच्छा समय होगा।

इंग्लैंड दौरा शुभमन के लिए कठिन परीक्षा, डिविलियर्स बोले– मुंबई–पंजाब में होगी जबरदस्त टक्कर

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। मुंबई में उन्होंने भारतीय क्रिकेट के कई पहलुओं को लेकर बात की है। उन्होंने शुभमन गिल के टेस्ट कप्तान बनने से लेकर भारत के इंग्लैंड दौरे और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर भी बातचीत की है। डिविलियर्स ने कहा कि उन्हें उम्मीद है रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की टीम इस साल चौंपियन बनेगी।

खुश हूं की आरसीबी की टीम फाइनल में पहुंची

आरसीबी के फाइनल में पहुंचने पर डिविलियर्स ने कहा– मुझे बहुत खुशी है कि बेंगलुरु की टीम फाइनल में पहुंच गई है। मुंबई इंडियंस ने शुक्रवार रात जीत हासिल की। अब बहुत अच्छा क्वालिफायर 2 का मुकाबला होने जा रहा है (मुंबई और पंजाब के बीच)। मैं फाइनल का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और उम्मीद है कि यह साल आरसीबी के लिए अच्छा रहेगा।

कोहली के टेस्ट से संन्यास पर बोले डिविलियर्स

कोहली के टेस्ट से संन्यास पर डिविलियर्स ने कहा, उन्होंने अपने दिल की बात सुनी होगी। विराट ने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी। उन्होंने वर्षों तक दुनिया भर में क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है और सौभाग्य से हम उन्हें अभी भी क्रिकेट के मैदान पर देखेंगे। टेस्ट मैचों में उनकी कमी खलेगी। उन्होंने लाल गेंद में एक महान विरासत छोड़ी है।

गिल के नए टेस्ट कप्तान बनने पर बोले डिविलियर्स

डिविलियर्स ने गिल को भारतीय टेस्ट टीम का नया कप्तान नियुक्त किए जाने पर कहा, अब समय आ गया है कि युवा खिलाड़ी आगे आएं। शुभमन गिल जिम्मेदारी ले रहे हैं। भारत में काफी प्रतिभा है और इसका श्रेय काफी हद तक आईपीएल को जाता है। हमने इस साल वैभव सूर्यवंशी को देखा। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की और गिल की कड़ी परीक्षा होगी।

मुंबई और पंजाब के बीच खेला जाएगा क्वालिफायर–दो

दरअसल, मुंबई ने शुक्रवार को एलिमिनेटर में गुजरात को 20 रन से हराकर क्वालिफायर–दो में जगह बनाई। अब एक जून को अहमदाबाद में क्वालिफायर–दो का मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, तीन जून को अहमदाबाद में ही फाइनल खेला जाएगा। आरसीबी की टीम ने क्वालिफायर एक में पंजाब को हराया था और सीधे फाइनल में एंट्री ली थी। वहीं, आईपीएल के खत्म होने के बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड का दौरा करना है। वहां टीम इंडिया पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसकी शुरुआत 20 जून से होने जा रही है। गिल एक युवा टीम इंडिया की अगुआई करेंगे।

संक्षिप्त

2 लाख तक का गोल्ड लोन वाले कर्जदार ध्यान दें, RBI के प्रस्तावित नियमों से हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली। दो लाख रुपये तक का गोल्ड लोन लेने वाले कर्जदार आरबीआई के प्रस्तावित नियमों से बाहर हो सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा, हमने गोल्ड लोन पर केंद्रीय बैंक के मसौदा दिशा–निर्देशों की जांच की है और इन छोटे कर्जदारों को इससे बाहर रखने का सुझाव दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 9 अप्रैल को गोल्ड लोन पर मसौदा दिशानिर्देश जारी किया था। इसमें गारंटी में सुधार करने और लोन को सही तरीके से उपयोग करने का सुझाव दिया गया है। यह भी प्रस्ताव किया गया कि सोने के बदले वर्गीकृत सभी कर्जों का ऋण मूल्य अनुपात सोने के मूल्य के 75 फीसदी से अधिक नहीं होगा।

जनवरी, 2026 से लागू हो सकता है नियम

वित्त मंत्रालय ने कहा, आरबीआई के मसौदा निर्देशों की वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने जांच की है। डीएफएस ने केंद्रीय बैंक को सुझाव दिए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छोटे गोल्ड लोन उधारकर्ताओं की जरूरतों पर विपरीत प्रभाव न पड़े। ऐसे दिशानिर्देशों को क्षेत्र स्तर पर लागू करने के लिए समय की जरूरत होगी। इसलिए, एक जनवरी, 2026 से यह लागू हो सकता है।

आरबीआई भी कर रहा समीक्षा

डीएफएस ने सुझाव दिया कि 2 लाख रुपये तक के उधारकर्ताओं को इन निर्देशों से बाहर रखा जा सकता है, ताकि उन्हें समय पर और तुरंत कर्ज मिल सके। आरबीआई भी फीडबैक की समीक्षा कर रहा है। तमिलनाडु में राजनीतिक दलों और किसान संगठनों ने मसौदे का विरोध किया था।

भारत में संपूर्ण कौशल परिदृश्य के पुनर्गठन पर विचार, CEO बोले– विनिर्माण क्षेत्र में बदलाव जरूरी

नई दिल्ली। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा, 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने और लोगों को कृषि से बाहर निकालने के लिए विनिर्माण क्षेत्र में बदलाव जरूरी है।भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) में उन्होंने कहा, नीति आयोग भारत में संपूर्ण कौशल परिदृश्य के पुनर्गठन पर विचार कर रहा है। आर्थिक सर्वे 2023–24 के अनुसार, भारतीय कृषि

42.3 फीसदी आबादी को आजीविका प्रदान करता है। वर्तमान मूल्यों पर देश के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी 18.2 फीसदी है। सुब्रमण्यम ने कहा, वर्तमान में भारत में 90 फीसदी विनिर्माण गतिविधियां 5–6 राज्यों में ही हो रही हैं। चीन ने खुद को वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के केंद्र में रखा है। भारत को भी इसका केंद्र बनना चाहिए।

सुब्रमण्यम ने दावा किया कि जीडीपी में विनिर्माण का हिस्सा 17 फीसदी है। आज दुनिया में अनिश्चितता ने भारत के लिए बहुत बड़े अवसर पैदा किए हैं। हमें जीतने वाले क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत है।

राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन के पास एक व्यापक निकाय होगा, जिसके पास भारत में विनिर्माण को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए निर्देश देने, नियंत्रण करने और सुनिश्चित करने की शक्ति होगी। हम इसके अंतिम चरण में हैं, संभवतः एक महीने के भीतर इसकी घोषणा कर दी जाएगी।

भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की वापसी, मई में एफपीआई निवेश 19,860 करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय बाजारों में मजबूत हुआ है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों ने मई 2025 में भारतीय बाजारों में रिकॉर्ड तोड़ निवेश किया है। इस महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 19,860 करोड़ का शुद्ध निवेश किया है। यह इस साल अब तक का सबसे ऊंचा मासिक निवेश रहा। 26 मई से 30 मई के बीच के सप्ताह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों में 6,024.77 करोड़ रुपये डाले। एनएसडीएल ने बताया कि इन दिनों में सकारात्मक निवेश देखने को मिला। लेकिन शुक्रवार को 1,758.23 करोड़ रुपये की बिकवाली देखी गई। इस मजबूत मासिक प्रदर्शन के बावजूद, 2025 में कुल एफपीआई निवेश नकारात्मक क्षेत्र में बना हुआ है। जनवरी से मई तक, 92,491 करोड़ रुपये की बिकवाली हुई। हालांकि मई में भारतीय बाजारों में तेजी ने विदेशी निवेशकों की धारणा में आए बदलाव की ओर संकेत किया। डॉलर में आई कमजोरी ने भारतीय बाजारों के लिए अवसर पैदा किए। भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करती रही है। हालांकि वैश्विक अनिश्चितता के कारण उतार–चढ़ाव होने की संभावना बनी हुई है। पिछले महीनों के आंकड़ों से यह पता चलता है कि एफपीआई ने मार्च में 3,973 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये और 34,574 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। बीते शुक्रवार को मई के आखिर कारोबारी सत्र में भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 182.01 अंक या 0.22 प्रतिशत गिरकर 81,451.01 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 82.90 अंक या 0.33 प्रतिशत गिरकर 24,750.70 पर आ गया।

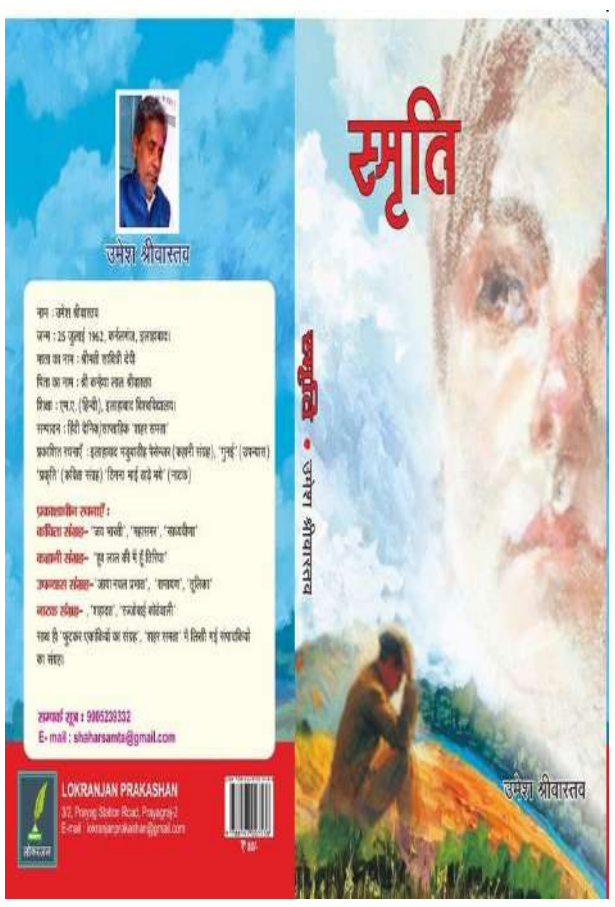

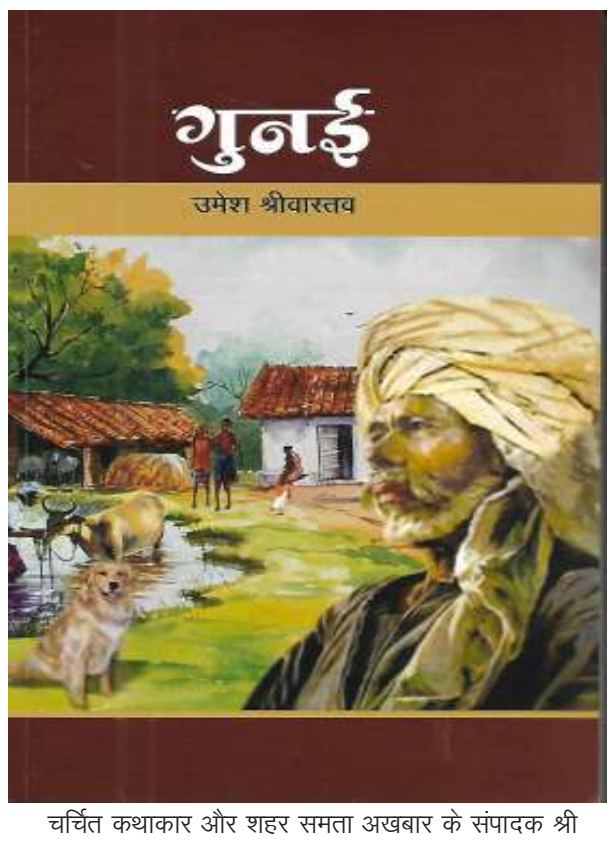

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

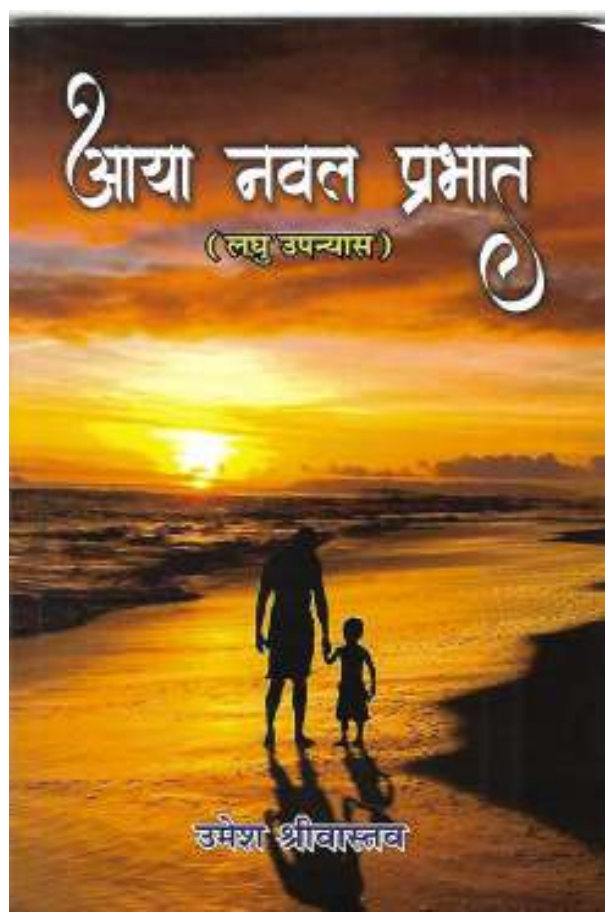

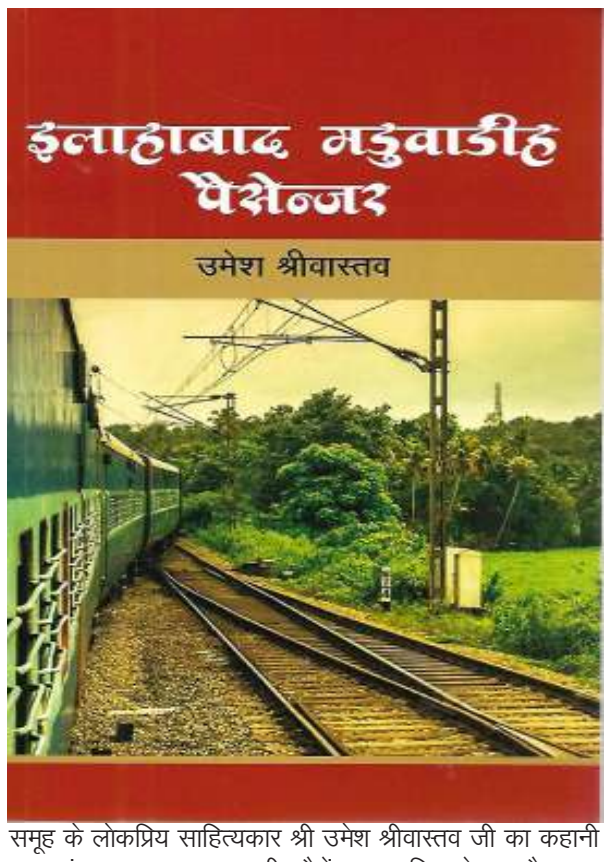

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

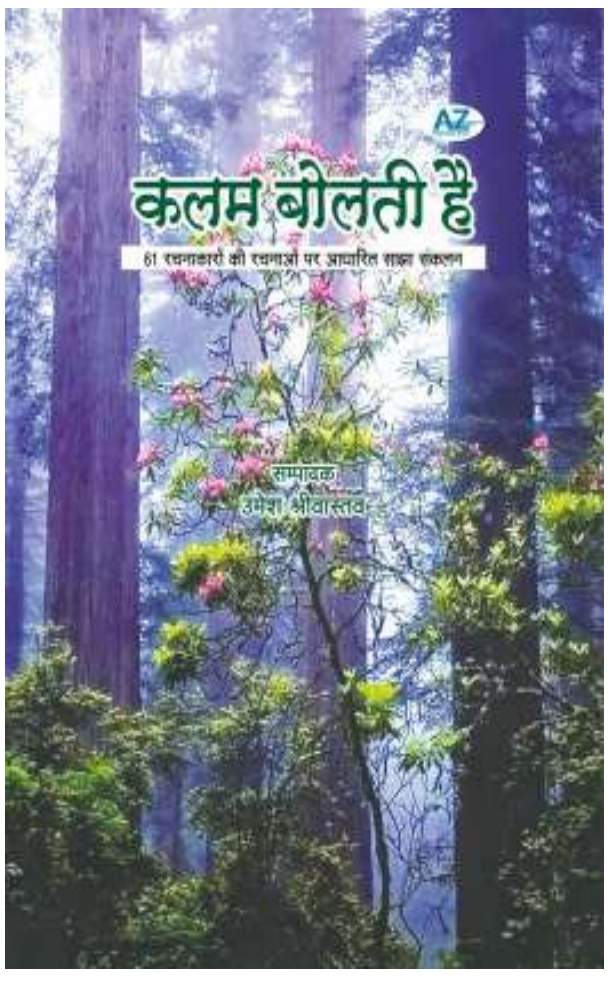

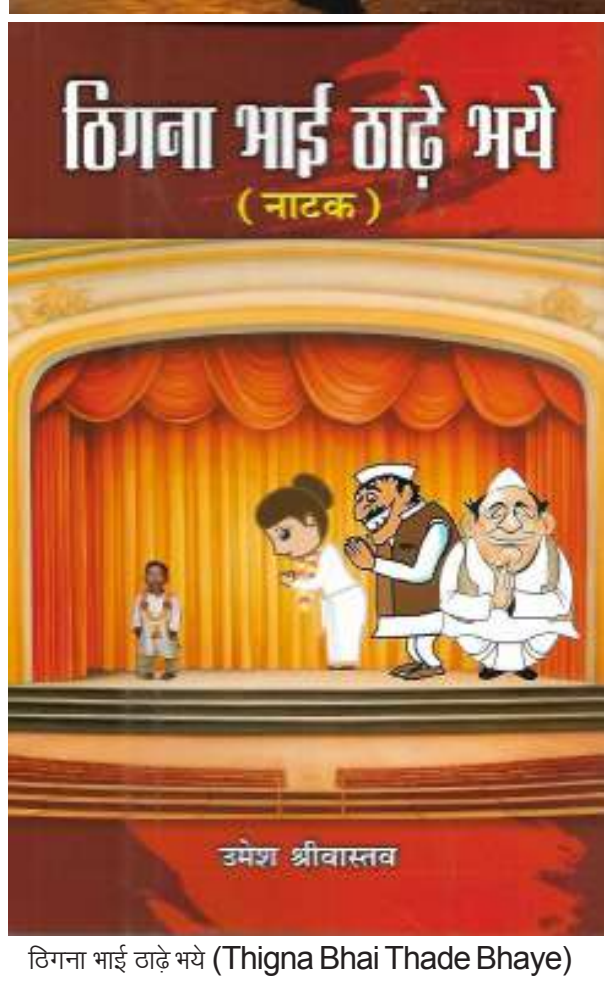

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

हमने भारत और पाक को लड़ने से रोका, कहा – एक-दूसरे पर गोली चलाने वालों से व्यापार नहीं कर सकते : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को लड़ने से रोका और दोनों देशों से कहा कि उनका (ट्रंप) प्रशासन एक–दूसरे पर गोली चलाने वालों से व्यापार नहीं कर सकता। ट्रंप ने अरबपति कारोबारी एवं टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के साथ ओवल ऑफिस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, "हमने भारत और पाकिस्तान को लड़ने से रोका। मेरा मानना घ्छै कि यह परमाणु आपदा में बदल सकता था।" सरकारी दक्षता विभाग का कार्यभार संभालने वाले मस्क, ट्रंप प्रशासन छोड़ रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वह "भारत के नेताओं, पाकिस्तान के नेताओं और अपने लोगों को भी धन्यवाद देना चाहते हैं। हमने व्यापार पर बात की और कहा कि "हम उन लोगों के साथ व्यापार नहीं कर सकते जो एक–दूसरे पर गोली चला रहे हैं और जिनके द्वारा परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किये जाने की आशंका है।" ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के नेता महान हैं और "उन्होंने समझदारी दिखाते हुए सहमति जताई, जिसके बाद यह सब बंद हो गया।" जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों के मारे जाने केलगभग दो सप्ताह बाद, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। चार दिनों तक सीमा के दोनों तरफ से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद, भारत और पाकिस्तान ने 10 मई को संघर्ष रोकने पर सहमति जताई थी।

इंडोनेशिया में खदान ढहने से मरने वालों की संख्या 14 हुई

राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी ने एक बयान में बताया कि शुक्रवार देर रात को तीन और शव बरामद किए गए तथा एक अन्य कर्मचारी की अस्पताल में मौत हो गई जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत में शुक्रवार को एक खदान के धंस जाने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 14 हो गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरेबोन जिले में गुनुंग कुडा खदान ढहने से दो दर्जन से अधिक लोग मलबे में फंस गए थे। शुरुआत में बचावकर्मियों ने तलाश अभियान के दौरान मलबे से एक दर्जन घायल लोगों और 10 शवों को निकाला था। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी ने एक बयान में बताया कि शुक्रवार देर रात को तीन और शव बरामद किए गए तथा एक अन्य कर्मचारी की अस्पताल में मौत हो गई जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। गंभीर रूप से घायल पांच लोग अस्पताल में भर्ती हैं। स्थानीय टेलीविजन चौनल ने आपातकालीन कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों, सैनिकों और स्वयंसेवकों को शनिवार सुबह पांच उत्खनन मशीन की सहायता से बचाव अभियान में जुटे दिखाया। प्राधिकारियों ने बताया कि छह से आठ लोगों के अब भी फंसे होने की आशंका है। स्थानीय पुलिस प्रमुख सुमारनी ने कहा, "अधिकारी खदान के धंस जाने के कारण की जांच कर रहे हैं। हम खदान के मालिक समेत छह लोगों से पूछताछ कर रहे हैं।

अमेरिका चीन के 'आसन्न' खतरे के खिलाफ हिंद-प्रशांत सहयोगियों के साथ खड़ा रहेगा : अमेरिकी रक्षा मंत्री

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों को शनिवार को आश्वस्त किया कि उनका देश चीन की ओर से बढ़ते सैन्य और आर्थिक दबाव का सामना करने के लिए उन्हें अकेला नहीं छोड़ेगा। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका देश के बाहर अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करेगा ताकि वह चीन की ओर से तेजी से बढ़ रहे खतरों, विशेष रूप से ताइवान के प्रति उसके आक्रामक रुख का मुकाबला कर सके। चीन ने यह परीक्षण करने के लिए कई अभ्यास किए हैं कि स्वशासित द्वीप ताइवान की नाकाबंदी कैसी की जा सकती है। चीन ताइवान पर अपना दावा करता है और अमेरिका ने इसकी रक्षा करने का संकल्प जताया हैं सिंगापुर में सुरक्षा सम्मेलन में हेगसेथ ने कहा कि चीन की सेना "किसी बड़ी घटना की तैयारी के लिए अभ्यास कर रही है। हम चिकनी चुपड़ी बात नहीं करेंगे। चीन द्वारा उत्पन्न खतरा वास्तविक है। और यह निकट भविष्य में सामने आ सकता है।" हेगसेथ ने 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी स्टडीज' द्वारा आयोजित वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन 'शांगरी–ला वार्ता' में कहा कि चीन अब ताइवान पर कब्जा करने के लिए न केवल अपने सैन्य बलों को मजबूत कर रहा है, बल्कि वह "इसके लिए हर दिन सक्रिय रूप से प्रशिक्षण भी ले रहा है।

अमेरिका : अपीलीय अदालत ने संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के ट्रंप के आदेश पर रोक बरकरार रखी

अमेरिका की एक अपीलीय अदालत ने कैलिफोर्निया के एक न्यायाधीश के उस आदेश पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया जिसमें संघीय कार्यबल में कटौती के देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के आदेश पर रोक लगाई गई थी। इसका मलतब है कि सरकार दक्षता विभाग (डीओजीई) की सिफारिश वाली श्रमबल कटौती फिलहाल स्थगित रहेगी। रिपब्लिकन प्रशासन ने सैन फ्रांसिस्को और शिकागो सहित कई शहरों एवं श्रमिक संघों द्वारा दायर मुकदमे में सैन फ्रांसिस्को के न्यायाधीश सुसान इलस्टन द्वारा जारी आदेश पर तुंरत रोक लगाने का अनुरोध किया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

डोनाल्ड ट्रम्प ने एलन मस्क को सौंपी व्हाइट हाउस की चाबी, डीओजीई ऑफिस में लग जाएगा ताला ?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 30 मई को एलन मस्क को व्हाइट हाउस की औपचारिक चाबी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, ट्रम्प ने मस्क को तथाकथित सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के अंत को चिह्नित करने के लिए देश की ओर से एक प्रस्तुति के रूप में एक चाबी प्रदान की। उपहार प्राप्त करने के बाद मस्क ने कहा यह डीओजीईका अंत नहीं है, बल्कि वास्तव में शुरुआत है। एक विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा कार्यकाल अनिवार्य रूप से समाप्त होना ही था। उन्होंने कहा कि लेकिन डीओजीई टीम समय के साथ और मजबूत होती जाएगी। डीओजीई का प्रभाव और मजबूत होता जाएगा। मैं इसे एक तरह के बौद्ध धर्म से तुलना करूंगा। यह जीवन जीने के तरीके की तरह है। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्कैविनो द्वारा एक्स पर साझा की गई फुटेज में इस पल को दिखाया गया है। स्कैविनो ने एक्स पर लिखा कि ट्रंप ने अमेरिकी लोगों की ओर से एलन मस्क को व्हाइट हाउस की चाबी भेंट की। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में सलाहकार के तौर पर कार्य कर रहे एलन मस्क ने संघीय खर्च में कटौती और नौकरशाही में सुधार के प्रयासों के बाद पद छोड़ने का ऐलान किया था। एलन मस्क ने 28 मई की शाम को सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने हाल में संकेत दिया था कि अब वह अपनी कंपनी टेस्ला और स्पेसएक्स के कारोबार पर ध्यान देंगे। मस्क ने लिखा था कि विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा निर्धारित समय समाप्त हो रहा है। मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद देना चाहता कि उन्होंने मुझे फिजूलखर्ची को कम करने का अवसर दिया। 'डीओजीई' मिशन समय के साथ और मजबूत होगा क्योंकि यह जीवन का एक तरीका बन जाएगा। अमेरिकी चुनाव में ट्रंप की जीत के बाद मस्क को 2025 में नवगठित सरकार दक्षता विभाग (डीओजीई) के नेतृत्व का जिम्मा सौंपा गया था, जिसका उद्देश्य सरकारी खर्च में कटौती और दक्षता को बढ़ाना था। मस्क ने सरकारी खर्च में भारी कटौती का लक्ष्य रखा था, लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली और कई बार प्रशासन के अन्य सदस्यों से मतभेद भी हुए। व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के एक अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर मस्क के इस्तीफा देने की पुष्टि की। मस्क ने अपने निर्णय की घोषणा सीबीएस द्वारा उनके साथ एक साक्षात्कार के अंश जारी किए जाने के एक दिन बाद की, जिसमें उन्होंने ट्रंप के विधायी एजेंडे की आलोचना करते हुए कहा था कि वह राष्ट्रपति के इस विधेयक से निराश हैं।

शांति वार्ता को लेकर असमंजस के बीच रूस-यूक्रेन ने एक-दूसरे पर किया हमला, एक बच्ची की मौत

मॉस्को/कीव। रूस–यूक्रेन के बीच शांतिवार्ता को लेकर असमंजस के बीच शनिवार को दोनों देशों एक दूसरे पर हमला किया। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा कि शनिवार को रूस की ओर से किए गए मिसाइल हमले में एक बच्ची की मौत हो गई। जबकि एक किशोर घायल हुआ। जबकि रूसी वायुसेना ने कहा कि यूक्रेनी ड्रोन हमले में 14 लोग घायल हो गए। नए हमलों के बाद इंस्ताबुल में रूस की ओर प्रस्तावित शांति वार्ता में यूक्रेनी राजनयिक के शामिल होने लेकर असमंजस बरकरार है। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूसी सैनिकों ने शनिवार को यूक्रेन में लगभग 109 ड्रोन और पांच मिसाइलें दागीं। तीन मिसाइलों और 42 ड्रोन को हवाई सुरक्षा द्वारा नष्ट कर दिया गया। जबकि अन्य 30 ड्रोन बिना किसी नुकसान के अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। जोपोरीज्जिया के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि जापोरीज्जिया क्षेत्र के डोलिंका गांव में हुए हमले में एक नौ वर्षीय लड़की की मौत हो गई और 16 वर्षीय किशोर घायल हो गया। हमलों के एक घर नष्ट हो गया। साथ ही कई अन्य घरों, कारों और बाहरी इमारतों को नुकसान पहुंचा।

यूक्रेन के हमले में 14 लोग घायल

वहीं रूस ने यूक्रेन पर हमले का आरोप लगाया। कार्यवाहक गवर्नर अलेक्जेंडर खिनश्टाइन ने बताया कि रूसी शहर रील्स्क और पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र के आर्टाकोवो गांव में अपार्टमेंट इमारतों पर यूक्रेनी ड्रोन हमले में 14 लोग घायल हो गए। दोनों हमलों में चार बच्चे घायल हो गए और कई स्थानों पर आग भी लग गई।

इंस्ताबुल में होगी नई वार्ता

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के सलाहकार आंद्रेई यरमक ने बताया कि वह सोमवार को इस्तांबुल में रूस के साथ सीधी शांति वार्ता फिर से शुरू करने को तैयार है। बातचीत से पहले रूस को अपनी शांति प्रस्ताव से जुड़ा मसौदा यूक्रेन को देना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हम रचनात्मक बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन जरूरी है कि रूस अपनी स्थिति स्पष्ट करे। अभी चार दिन हैं, जो दस्तावेज भेजने के लिए पर्याप्त समय है।

अमेरिका का 60 दिन वाला सीजफायर प्रस्ताव इजरायल ने स्वीकारा, हमास की क्यों बढ़ी चिंता ?

इजरायल ने गाजा के लिए अमेरिका के युद्ध विराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। मामले से परिचित इजरायली अधिकारियों ने कहा कि इसमें 60 दिनों के लिए लड़ाई रोकनी होगी और फिलिस्तीनी क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाली सहायता वितरण को बहाल करना शामिल है। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को कहा कि इजरायल ने हमास को सौंपे जाने से पहले प्रस्ताव की शर्तों पर हस्ताक्षर किए थे, हालांकि इसकी सामग्री के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। दो इजरायली अधिकारियों ने इस निर्णय की पुष्टि की। हमास ने कहा कि ईरान समर्थित समूह मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से प्राप्त युद्ध विराम प्रस्ताव के बारे में फिलिस्तीनी गुटों के साथ परामर्श कर रहा है। टेलीग्राम के माध्यम से संक्षिप्त बयान में विवरण के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। मामले से परिचित इजरायली अधिकारियों ने जिन्होंने मुद्दे पर चर्चा करते हुए नाम न बताने की शर्त पर कहा कि संघर्ष विराम की अन्य शर्तों में हमास द्वारा 10 जीवित बंधकों को रिहा करना तथा 18 बंधकों के अवशेष लौटाना शामिल है, जिनकी मृत्यु कैद में हुई थी। इजराइल ने 11 सप्ताह की नाकाबंदी के बाद गाजा में कुछ सहायता वितरण फिर से शुरू कर दिया है, जबकि हमास को इस प्रक्रिया से अलग करके उसे अलग–थलग करने की कोशिश की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाले वितरण पर वापस लौटने से संगठन को अलग–थलग करने के इजराइली सरकार के पिछले फैसले को पलट दिया जाएगा। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के नाम से जाने जाने वाले एक नए गैर–लाभकारी संगठन के संचालन में कुछ अराजक दृश्य देखने को मिले हैं, जिसमें मंगलवार को एक सहायता स्थल पर फिलिस्तीनियों की भीड़ का कब्जा शामिल है। जीएचएफ ने इस सप्ताह सीमित मात्रा में सहायता वितरित करना शुरू किया और कहा कि यह वितरण बढ़ा रहा है। जीएचएफ ने शुक्रवार को कहा कि चार दिनों में 2.1 मिलियन से अधिक भोजन वितरित किए गए हैं।

निरस्त्रीकरण, सैन्य वापसी और युद्ध विराम

यह योजना मार्च में पिछले युद्ध विराम के दो महीने बाद ही टूट जाने के बाद अमेरिका, मिस्र और कतर द्वारा मध्यस्थता से रुके हुए राजनयिक प्रयासों की श्रृंखला में नवीनतम है। गहरे मतभेद बने हुए हैं। इज़राइल जोर देता है कि हमास को निरस्त्र किया जाना चाहिए और एक सैन्य और शासक बल के रूप में विघटित किया जाना चाहिए, और युद्ध समाप्त होने से पहले गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए सभी 58 लोगों को वापस किया जाना चाहिए। दूसरी ओर, हमास ने हथियार छोड़ने से इनकार कर दिया और गाजा से इजरायल की पूरी वापसी और शत्रुता को स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग की।

चीन रच रहा अब कौन सी साजिश? अमेरिका की बढ़ गई टेंशन

संयुक्त राज्य अमेरिका ने ताइवान के लिए आसन्न चीनी खतरे के बारे में चेतावनी जारी की है। अमेरिकी रक्षा सचिव ने कहा कि चीन ताइवान पर आक्रमण करने के लिए सक्रिय रूप से प्रशिक्षण ले रहा है और दक्षिण चीन सागर में सैन्य ठिकानों का विस्तार कर रहा है। अमेरिका ने इस बात पर जोर दिया कि चीन द्वारा ताइवान पर बलपूर्वक कब्ज़ा करने के किसी भी प्रयास के इंडो–पैसिफिक क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे। यह बयान अमेरिका और चीन के बीच चल रहे तनावों के बीच आया है, जिसमें व्यापार युद्ध और पारस्परिक शुल्क शामिल हैं। चीन ने कहा है कि अगर ज़रूरत पड़ी तो वह ताइवान को बलपूर्वक मुख्य भूमि में मिला लेगा। कई विश्लेषकों और विशेषज्ञों ने ताइवान के खिलाफ़ चीन के अभियान की समयसीमा 2027 बताई है। चीनी सेना ताइवान पर दबाव बनाना जारी रखे हुए है, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने शनिवार को चेतावनी दी कि बीजिंग एशिया में शक्ति संतुलन को बिगाड़ने के लिए सैन्य बल का उपयोग करने के लिए विश्वसनीय रूप से तैयारी कर रहा है, उन्होंने कसम खाई कि संयुक्त राज्य अमेरिका हिंद–प्रशांत क्षेत्र में यहाँ रहने के लिए है। चीन ताइवान पर अपना दावा करता है और अमेरिका ने इसकी रक्षा करने का संकल्प जताया हैं सिंगापुर में सुरक्षा सम्मेलन में हेगसेथ ने कहा कि चीन की सेना "किसी बड़ी घटना की तैयारी के लिए अभ्यास कर रही है। हम चिकनी चुपड़ी बात नहीं करेंगे। चीन द्वारा उत्पन्न खतरा वास्तविक है। और यह निकट भविष्य में सामने आ सकता है।" हेगसेथ ने 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी स्टडीज' द्वारा आयोजित वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन 'शांगरी–ला वार्ता' में कहा कि चीन अब ताइवान पर कब्जा करने के लिए न केवल अपने सैन्य बलों को मजबूत कर रहा है, बल्कि वह "इसके लिए हर दिन सक्रिय रूप से प्रशिक्षण भी ले रहा है।

हिंद-प्रशांत सहयोगी देशों को अमेरिका ने किया आगाह, रक्षा मंत्री बोले- चीन का खतरा बेहद नजदीक

सिंगापुर। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि अमेरिका हिंद–प्रशांत महासागर क्षेत्र के सहयोगी देशों के साथ है और चीन की आक्रामकता की स्थिति में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका हिंद प्रशांत क्षेत्र के सहयोगी देशों के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करेगा।

ताइवान पर कब्जे की तैयारी कर रहा चीन

सिंगापुर में वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन शंगरी–ला डायलॉग में बोलते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्री के निशाने पर खासतौर पर चीन रहा और उन्होंने ताइवान के खिलाफ चीन की आक्रामकता का भी जिक्र किया। चीन द्वारा लगातार युद्धाभ्यास किया जा रहा है और उसके युद्धाभ्यास में ताइवान को ब्लॉक करने का अभ्यास

किया जा रहा है। चीन, ताइवान के हवाई और समुद्री क्षेत्र का भी लगातार उल्लंघन कर रहा है। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, वहीं ताइवान खुद को आजाद देश कहता है। हेगसेथ ने सिंगापुर में कहा कि श्चीन की सेना युद्ध की तैयारियों में लगी है और हम इसे चाशनी में लपेटकर नहीं बताना चाहते। चीन का खतरा असली है और ये बेहद नजदीक भी है।

सहयोगी देशों से रक्षा बजट बढ़ाने की अपील

चीन ने कहा है कि उसका लक्ष्य है कि साल 2027 तक ताइवान पर कब्जा करना है। इसके लिए चीन ने दक्षिण चीन सागर में एक कृत्रिम द्वीप बनाया है, जहां नई सैन्य चौकियां बनाई जा रही हैं और साथ ही वहां पर आधुनिक हाइपरसोनिक मिसाइलें भी तैनात की जा रही हैं। हेगसेथ ने कहा कि चीन न सिर्फ ताइवान पर कब्जे के लिए सैन्य निर्माण कर रहा है बल्कि वह सक्रिय तौर पर युद्धाभ्यास में भी जुटा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के सहयोगी देशों से भी अपील की कि वे भी अपने बजट का 5 फीसदी रक्षा क्षेत्र पर खर्च करें। पीट हेगसेथ ने सहयोगी देशों को चीन के साथ व्यापारिक सहयोग बढ़ाने के प्रति भी आगाह किया और कहा कि दोनों तरफ खेलने के खतरे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका से सैन्य मदद लेना और वहीं चीन से आर्थिक मदद लेने के खतरे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने ये भी कहा कि चीन लैटिन अमेरिकी देशों में भी अपना प्रभाव बढ़ा रहा है और लगातार पनामा नहर पर भी अपना नियंत्रण स्थापित कर रहा है।

व्हाइट हाउस में एलन मस्क की आंख पर दिखे चोट के निशान, सोशल मीडिया पर कयासों का बाजार गर्म

वॉशिंगटन। शुक्रवार को सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में एलन मस्क का कार्यकाल आधिकारिक रूप से खत्म हो गया। एलन मस्क ने इस मौके पर व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मीडिया से बात की। इस दौरान एक चौंकाने वाली बात नोटिस की गई। दरअसल एलन मस्क की आंख पर चोट के निशान थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।